संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Sarguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 313 बुधवार 17 सितम्बर 2025, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देहरादून में बरपा अतिवृष्टि का कहर..

13 की मौत व 16 लापता, कई भवनों में समाया मलबा

देहरादून,16 सितम्बर 2025 (ए)। उत्तराखंड के देहरादून जिले में एक बार अतिवृष्टि ने कहर बरपाया है। सहस्त्रधारा के पास कार्लीगार्ड व मण्झारा गांव के बीच बाढ़ और बारिश जनित घटनाओं में 13 लोगों की मौत हो गई है जबकि 16 से अधिक लोग अभी लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों की खोज के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इस आपदा से काफी नुकसान हुआ है। इस बीच मुख्यमंत्री ने राहत एवं बचाव कार्य में और तेजी लाने और प्रभावितों को हरसंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि सहस्त्रधारा से 3 किमी आगे कार्लीगार्ड व मण्झारा गांव के बीच गाढ़, जो सहस्त्रधारा नदी में मिलती है, में अचानक बाढ़ के साथ मलबा आ जाने से लगभग 2-3 मकान व कुछ रिसोर्टस दब गए हैं। यहां दो से तीन लोग के मलबे में दबे होने की संभावना है। राहत एवं बचाव टीमें लगातार रेस्क्यू में लगी हैं। दोपहर में झड़ीपानी में एक मकान के ऊपर मलबा आने एक व्यक्ति के मौत हो गई और एक घायल हो गया। इसके अलावा डीआईटी कॉलेज, राजपुर रोड केनिकट मसूरी डायवर्जन के पास पानी में बहे छात्र का शव बरामद कर लिया गया है। देहरादून की भगत सिंह कॉलोनी में भी एक व्यक्ति की पानी की तेज प्रवाह में बह गया। राजपुर शिखर फॉल के पास भी दो व्यक्तियों की बहने व टपकेश्वर में एक व्यक्ति की बहने खबर है। इसके अलावा तहसील-कालसी के अंतर्गत स्थान जजरेट के पास पहाड़ी से पत्थर गिरने एक व्यक्ति की मौत हुई है। कैनाल रोड काठबंगला मे नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण एक मकान बह गया है। यहं कई मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्रशासन ने तुरंत यहां के घरों से लोगों को निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया दिया है। अब नदी का जलस्तर कम हो रहा है। इसके अलावा कई लोग नदी नालों का प्रवाह बढ़ने से फंस गए थे, जिन्हें सुरक्षित बचा लिया गया है।

प्रेमनगर क्षेत्रांतर्गत परवल में एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर टोंस नदी में बह गया। ट्रैक्टर में लगभग 15 लोग सवार होने की बात कहीं गई है। यहां बचाव टीम ने अब तक सर्च ऑपरेशन के दौरान पांच शव बरामद किए हैं।

सरकारी एवं निजी परिसंपत्तियों का भी भारी नुकसान

जिला आपदा परिचालन केंद्र के अनुसार देहरादून में अतिवृष्टि के कारण 13 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा तीन व्यक्ति घायल हैं और 16 लोग लापता हैं। इसके अलावा कई सरकारी एवं निजी परिसंपत्तियों का भी भारी नुकसान हुआ है। इनमें देहरादून जनपद के सभी विकासखंडो में 13 पुल,10 पुलिया, दो मकान,31 दीवार,दो अमृत सरोवर,12 खेत,12 नहर,21 सड़कें, सात पेयजल योजना, आठ हॉज और 24 पुस्ता आदि परिसंपत्तियों का भारी नुकसान हुआ है। जिलाधिकार सविन बंसल ने देहरादून शहर के मालदेवता, सहस्त्रधारा, मजयाडा,कार्लीगाड आदि आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर मौजूदा स्थिति और क्षति का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने पीड़ित परिवारों से भेंट कर उन्हें हरसंभव मदद पहुंचाने का भरोसा दिया। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह और सीडीओ अभिनव शाह भी उनके साथ मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट का धर्मांतरण कानूनों पर 8 राज्यों को नोटिस

4 हफ्तों में जवाब मांगा,याचिकाकर्ता बोले...कानून अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक

नई दिल्ली,16 सितम्बर 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को धर्मांतरण से जुड़े कानूनों पर 8 राज्यों को नोटिस जारी कर 4 हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा है। कोर्ट उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,हिमाचल,उत्तराखंड,छत्तीसगढ़,गुजरात, हरियाणा, झारखंड और कर्नाटक के कानूनों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच के सामने याचिकाकर्ताओं ने कहा कि भले ही इन कानूनों को फ्रीडम ऑफ रिलीजन एक्ट कहा जाता है, लेकिन ये अल्पसंख्यकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाते हैं और इंटर रिलिजन मैरिज व धार्मिक रीति-रिवाजों को निशाना बनाते हैं। कोर्ट ने वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह, संजय हेगड़े, एम.आर. शमशाद, संजय परिख समेत अन्य पक्षकारों की दलीलें भी सुनीं और कहा कि मामले की अगली सुनवाई छह हफ्ते बाद होगी।

याचिकाकर्ता बोले- यूपी में धर्मांतरण को सख्त किया गया

सीनियर एडवोकेट चंदर उदय सिंह ने दलील दी कि यूपी में 2024 में धर्मांतरण से संबंधित कानून संशोधित कर सजा 20 साल से लेकर आजीवन कारावास तक कर दी गई है। जमानत की शर्तें भी कठोर कर दी गईं और तीसरे पक्ष को शिकायत दर्ज करने का अधिकार दे दिया गया। उन्होंने कहा कि इससे चर्च की प्रार्थनाओं या इंटरफेथ मैरिज में शामिल लोगों को भी भीड़ और संगठनों की ओर से उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है।

कोर्ट ने 2020 में नोटिस जारी किया था

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में नोटिस जारी किया था। बाद में जमीअत उलेमा-ए-हिंद ने कोर्ट से मांग की कि 6 हाईकोर्ट में चल रही 21 याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट में ही लाया जाए। फिलहाल गुजरात और मध्य प्रदेश में इन कानूनों की कुछ धाराओं पर रोक लगी हुई है।

तेलंगाना में बिजली विभाग के आधिकारी के घर एसीबी का छापा,2 करोड़ कैश जब्त

नई दिल्ली, 16 सितम्बर 2025 (ए)। तेलंगाना में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने मंगलवार को हैदराबाद के कोठागुडा में बिजली विभाग के सहायक मंडल अभियंता (एडीई) अंबेडकर के आवास पर छापेमारी की। इस छापेमारी में लगभग 2 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। एसीबी की 15 टीमों ने राज्य के विभिन्न जिलों में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान एडीई के रिश्तेदारों से भी संपत्ति जब्त की गई, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 200 करोड़ रुपए तक हो सकती है। एसीबी अधिकारियों ने बताया कि अंबेडकर मणिकोंडा डिवीजन में तैनात थे और उन पर आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप हैं। छापेमारी सुबह 5 बजे शुरू हुई, जिसमें हैदराबाद, रंगा रेड्डी, मेडक और निजामाबाद जैसे जिलों में 18 स्थानों पर तलाशी ली गई। एक रिश्तेदार सतीश के घर से बड़ी मात्रा में नकदी मिली, साथ ही सोना और अन्य संपत्तियां भी जब्त की गईं।

हिमाचल के धर्मपुर बस स्टैंड में मलबा भरा,मंडी में 3 की मौत

नई दिल्ली,16 सितम्बर 2025 (ए)। हिमाचल प्रदेश के मंडी में मंगलवार को लैंडस्लाइड से एक मकान ढह गया। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग मलबे में दब गए, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं मंडी के दरंग में मंगलवार सुबह मंदिर जा रहे दो लोग सुमा खड्ड के तेज बहाव में बह गए। इनमें से एक का शव मिल गया है,जबकि दूसरे की तलाश जारी है। धर्मपुर बस स्टैंड पर बारिश के बाद मलबा भर गया। यहां बाढ़ में कई बसें दूर तक बह गईं। सोमवार को भारी बारिश ने महाराष्ट्र के मुंबई में रेलवे ट्रैक, सब-वे और सड़कों पर पानी भर गया। बीड में 11 ग्रामीणों को वायुसेना ने एयरलिफ्ट किया।

मोदी ने की डेनमार्क की प्रधानमंत्री से बात,यूक्रेन संघर्ष और भारत-यूरोपीय संघ एफटीए पर चर्चा

नई दिल्ली,16 सितम्बर 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन के बीच मंगलवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच यूक्रेन संघर्ष और भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और शीघ्र शांति बहाली के लिए भारत के लगातार जारी समर्थन को दोहराया। प्रधानमंत्री फ्रेडरिक्सन ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र अति शीघ्र संपन्न करने और 2026 में भारत द्वारा आयोजित होने वाले एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए डेनमार्क के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी समकक्ष को यूरोपीय संघ परिषद की डेनमार्क की वर्तमान अध्यक्षता और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश,नवाचार,ऊर्जा,जल प्रबंधन,खाद्य प्रसंस्करण और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में भारत-डेनमार्क हरित रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मदर डेयरी ने दूध का दाम घटाया

टोंड मिल्क टेट्रा पैक अब 75 प्रति लीटर,पनीर-बटर भी सस्ता

नई दिल्ली,16 सितम्बर 2025 (ए)। सरकार के जीएसटी सुधारों के ऐलान के बाद बड़ा असर देखने को मिला है। मदर डेयरी ने ग्राहकों को राहत देते हुए दूध के दाम में कटौती कर दी है 22 सितंबर से नए जीएसटी रेट्स लागू होने वाले हैं,लेकिन इससे पहले ही कंपनी ने अपने पैकेज्ड दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर तक की कटौती कर दी है. मदर डेयरी ने अपने 1 लीटर टोंड टेट्रा पैक दूध के दाम को 77 रुपये से घटाकर 75 रुपये कर दिया है। इसके अलावा घी-पनीर समेत अन्य सामानों के भी दाम घटाए हैं। सरकार ने बीते 3 सितंबर को जीएसटी सुधारों का ऐलान किया था और तमाम जरूरी सामानों पर लागू टैक्स में कटौती की जानकारी शेयर की थी। वित्त मंत्री ने कहा था कि 22 सितंबर से जीएसटी के नए रेट्स लागू होंगे और दूध,पनीर से लेकर एसी-टीवी तक सस्ते हो जाएंगे। इनके लागू होने से पहले ही मदर डेयरी ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए अपने मिल्क प्रोडक्ट्स की कीमतें कम कर दी हैं। मदर डेयरी ने नए मानदंडों के साथ सभी उत्पादों पर 100% टैक्स लाभ ग्राहकों को देने के लिए ये बड़ा कदम उठाया है.।गौरतलब है कि कंपनी का पूरा प्रोडक्ट पोर्टफोलियो या तो जीरो जीएसटी या 5% के सबसे निचले स्लैब के अंतर्गत आता है। कंपनी द्वारा दूध की कीमतों में की गई कटौती के बाद नए दाम की बात करें, तो मदर डेयरी के 1 लीटर यूएचटी मिल्क (टोंड-ट्रेटा पैक) का प्राइस जहां 77 रुपये से कम होकर 75 रुपये कर दिया गया है, तो वहीं 450 एमएल का पैक अब 33 रुपये की जगह 32 रुपये का मिलेगा। इसके अलावा कंपनी के तमाम फ्लेवर के मिल्कशेक के 180 एमएल पैक की कीमत 30 रुपये से कम होकर 28 रुपये रह गई है। पनीर के दाम की बात करें,तो 200 ग्राम पनीर का पैकेट अब 95 रुपये की जगह 92 रुपये का मिलेगा। इसके अलावा 400 ग्राम पनीर का पैकेट 180 रुपये की जगह अब 174 रुपये का मिलेगा। मलाई पनीर के दाम भी कम किए गए हैं।

जैश ने माना-ऑपरेशन सिंदूर में मसूद का परिवार मारा गया

इस्लामाबाद,16 सितम्बर 2025 (ए)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार माना है कि उसके सरगना मौलाना मसूद अजहर के परिवार के कई सदस्य ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के हमले में मारे गए। जैश के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वह कहता है कि 7 मई को बहावलपुर में भारत की कार्रवाई में अजहर के परिवार के लोगों के टुकड़े-टुकड़े हो गए, उनका कीमा बन गया था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में हमला किया था। ऑपरेशन के दौरान बहावलपुर समेत पाकिस्तान के अंदर नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। बहावलपुर में हुए भारतीय हमले में मसूद के परिवार के 10 लोग मारे गए थे। इसके अलावा 4 सहयोगियों की भी मौत हुई थी। मरने वालों में मसूद की बड़ी बहन और उसका पति, मसूद का भतीजा और उसकी पत्नी, मसूद की एक भतीजी और उसके पांच बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा मसूद के 4 सहयोगी भी मारे गए थे। हमले के वक्त मसूद मौके पर नहीं था, इस वजह से उसकी जान बच गई थी।

नशे से युवाओं को बचाना जरूरी,सरकार इससे निपटने के लिए प्रतिबद्ध : अमित शाह

नई दिल्ली,16 सितम्बर 2025 (ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य पाने के लिए युवाओं को नशे से बचाना आवश्यक है। नशे की चपेट में आने पर युवा शक्ति कमजोर होगी और देश का भविष्य खतरे में पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश से इस समस्या के पूरी तरह खात्मे को लेकर काम कर रही है। शाह ने कहा कि इस उद्देश्य से गृह मंत्रालय शीघ्र ही डिपोर्टेशन और प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पर नई स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी करने जा रहा है। गृह मंत्री ने यहां राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मादक पदार्थ विरोधी विशेष कार्यबल के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधन किया। उन्होंने कहा कि विश्व में नशे की आपूर्ति दो बड़े क्षेत्रों से होती हैं। दोनों क्षेत्र भारत के निकट हैं। इसलिए हमें कठोर कदम उठाना जरूरी है। नशे का कार्टेल व्यापार तीन स्तर पर है। पहला देश की सीमा, दूसरा राज्यों तक वितरण और तीसरा राज्यों में छोटी दुकानों और गलियों तक बिक्री करता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- महाराष्ट्र में 31 जनवरी तक निकाय चुनाव कराएं

नई दिल्ली,16 सितम्बर 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र चुनाव आयोग को निकाय चुनावों में 3 साल की देरी होने पर फटकार लगाई। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने निर्देश दिया कि राज्य में सभी स्थानीय निकाय चुनाव 31 जनवरी 2026 तक कराएं। दरअसल, महाराष्ट्र में 2022 से जिला परिषद,पंचायत समितियां और नगरपालिकाओं के चुनाव ओबीसी आरक्षण विवाद की वजह से नहीं हुए हैं।

सशस्त्र बल युद्ध के पारंपरिक और अपरंपरागत खतरों से मुकाबले को रहें तैयार : राजनाथ

नई दिल्ली,16 सितम्बर 2025 (ए)। कोलकाता में संयुक्त कमांडर सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के रक्षा और सुरक्षा रोडमैप पर विचार-विमर्श किया, जिसमें प्रमुख रणनीतिक फोकस क्षेत्रों और भारतीय सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। सम्मेलन में रक्षा निर्माण, खरीद और रक्षा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक के समावेश में आवश्यक सुधारों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। रक्षा मंत्री ने कहा कि उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए तीनों सेनाओं का एकजुट होना आवश्यक है, इसलिए सशस्त्र बल युद्ध के पारंपरिक और अपरंपरागत खतरों से निपटने के लिए तैयार रहें। संयुक्त कमांडर सम्मेलन में वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व ने विशेष अभियान,अंतरिक्ष,सूचना युद्ध और साइबर डोमेन सहित सशस्त्र बलों के लिए भविष्य के रोडमैप पर भी विचार-विमर्श किया। रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देने में भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, समर्पण और व्यावसायिकता को सराहा।

संपादकीय

चरमपंथी गुटों को वित्तीय सहायता...

आतंकवाद के वित्त पोषण पर कनाडा में जारी एक रपट में खुलासा हुआ है कि कम से कम दो खालिस्तानी चरमपंथी गुटों को कनाडा से वित्तीय सहायता मिल रही है। 2025 असेसमेंट ऑफ मनीलॉन्ड्रिंग एंड टेररिस्ट फाइनेंसिंग रिस्क इन कनाडा' नाम से जारी इस रपट में जिन चरमपंथी समूहों के नाम दिए गए हैं,उनमें दो संगठन-बब्बर खालसा इंटरनेशनल और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन-भी शामिल हैं। चिंता की बात यह है कि ये संगठन गैर-लाभकारी और धर्मार्थ गतिविधियों के लिए धन बता कर उसका अपने मंसूबे पूरे करने में इस्तेमाल करते हैं। इस रपट के सनसनीखेज खुलासे से नई दिल्ली के इन दावों की पुष्टि होती दिख रही है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्व बिना रोक-टोक के भारत विरोधी गतिविधियां जारी रखे हुए हैं। यह कोई पहली रपट नहीं है जिसने आंख खोल देने वाले खुलासे किए हैं। इससे पहले ओटावा की खुफिया एजेंसी ने भी 1980 के दशक में जारी अपनी एक रपट में खुलासा किया था कि कनाडा में राजनीतिक रूप से प्रेरित हिंसक चरमपंथ का खतरा खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत के पंजाब में खालिस्तान नाम से स्वतंत्र राष्ट्र बनाने के लिए हिंसक तरीकों का इस्तेमाल करने की कोशिश के तहत उत्पन्न हुआ था। इसके बाद कनाडा सरकार ने भी एक रपट जारी की जिसमें शंका जताई गई थी कि चरमपंथियों ने धार्मिकता का चोला ओढ़ लिया है। दरअसल,चरमपंथी संगठन, जिनमें हमास,हिज्बुल्ला जैसे मुस्लिम संगठन भी शामिल हैं,अपनी गतिविधियों के लिए धन जुटाने के लिए तमाम हथकंडे अपनाते हैं। बैंकिंग तंत्र के दुरुपयोग,क्रिप्टोकरंसी के इस्तेमाल के अलावा ये संगठन सरकारी वित्त-पोषित नीतियों और कार्यक्रमों में भी सेंध लगा कर धन जुगाड़ने में पीछे नहीं रहते। धर्मार्थ और गैर-लाभकारी संगठनों का दुरुपयोग तो करते ही हैं,यहां तक कि आपराधिक गतिविधियों से भी धन जुटाते हैं। परेशानकुन यह कि ये संगठन कनाडा तक ही सीमित नहीं हैं,बल्कि ब्रिटेन समेत कई देशों तक फैले हुए हैं। अलबत्ता,कनाडा में उग्रपंथी खालिस्तानी संगठनों के लिए मुफीद स्थिति इसलिए है कि वहां आबादी में काफी बड़ा हिस्सा सिखों का है, जो सरकार बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सरकार भी नरम रवैया अपनाती है। इतना कि भारत जैसे देशों से अपने संबंधों के बिगाड़ तक की हद तक जा पहुंचती है।

शक्ति की आराधना में चूक भक्तों के लिए अभिशाप न बन जाए?

आत्माराम यादव
नर्मदापुरम,मध्यप्रदेश

आज जिस तरह नवरात्रि में नवदुर्गा के विभिन्न स्वरूपों को 9 दिनों के लिए हरेक नगर,गाँव,मोहल्ले,कसवे आदि हजारो स्थानों पर प्राणप्रतिष्ठित करने का उत्साह दिखाई देता है, उसे हम सृष्टि का संचालन करने वाली जगन्माता के प्रति अपनी भक्ति का स्वरूप ओर माता के प्रति अपना प्रेम प्रदर्शन के साथ अभिवांछित विषयों की सिद्धि अर्थात भौतिक कल्याण की प्राप्ति के साथ जोड़ते है यह प्रसन्नता की बात है किन्तु वृहदस्तर पर समूचे देश के करोड़ों भक्तों की यह आराधना कही फलित होते नहीं दिखती। जगजननी माँ के जिस स्वरूप का जो मूल स्वरूप है जिसमे उनके द्वारा धारण किए जाने वाले शस्त्र,उनकी सवारी,सिंह, असुर,भैसा आदि के साथ उनके आभूषण,उनकी भुजाए,भुजाओं में जिस हाथ में जो शस्त्र हो,उसमें शस्त्र ओर जिसमें शंखपुष्प हो उसमें वही धारण कराने की चूक भी आराधक के लिए अमंगलकारी हो जाती है जो सामान्य चूक में हम विस्मृत करते है वह गंभीर चूक अहितकर होती है। ब्रम्हपुराण ने देवी की आराधना में अर्ध,नैवेद्य एवं पूजा के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले पात्रों-बर्तनों का उल्लेख करते हुये लिखा है कि वे सुवर्ण,रजत, ताम्र, काष्ठ, मृत्तिका,प्रस्तर,रत्न प्रभूति से निर्मित हो ओर उसमें मांगलिक तथा शुभप्रद रेखाएं अंकित कि गयी है, जबकि हम इसके विपरीत स्टील के बर्तनों का प्रयोग देखते है जो हमारी आराधना में हमारी भक्ति की पुकार जगत माता तक भेजने में सफल नहीं हो पाते।

हर साल हमारे सभी आराध्यों के साथ श्रीराम,श्रीकृष्ण,गणेश काली, दुर्गा भक्ति चरम पर होने के बाद भी हमारे कष्ट दूर होने की जगह बढ़ते जा रहे है,आखिर क्यों? कुछ तो कारण है जिन्हे सभी धर्माचार्यों को संज्ञान में लेना चाहिए, कही धर्म परंपरा के निर्वहन में इसी तरह की कोई चूक तो नहीं जो हमारे कष्टों के निवारण के बजाय हमें हर बार कष्ट ओर समस्या के बढ़ा रहे हो, हमारे पूर्वज राजाओं की इन बातों पर दृष्टि रही है ओर वे इसके समाधान के कारण तलाशकर अपनी प्रजा का हित संवर्धन में जुट जाते थे पर आज के दौर में सरकारें है वे बधिया बैल या सांड की तरह हो गई जो प्रजाहितों के विपरीत निजी तौर पर प्रजा को भारवाहक बनाकर न उनको काम देना चाहती है ओर न ही उनका घर बसाना चाहती है, जबकि उनकी धारणा खुद के दायरे में कुछेक को समेट कर उनकी जरूरतों को पूरा कर उन्हे अपने वर्तुल में मानसिक दिवालियापन बनाने की है। ऐसे में प्रजा राजा के बजाय भगवान भरोसे हो गई ओर भक्ति शक्ति में देवी-देवताओं की शरण में पहुँच गई किन्तु वहाँ भी वह अज्ञानतावश मझदार में है ओर उनका पुरुषार्थ सरकारों के प्रति अपने अधिकारों के लिए बगावत करने की बजाय देवी शक्ति से अपने मनोरथ पूरा कराना है जो आधे अधूरे ज्ञान- भक्ति से संभव होता नहीं दिखा।

मनोरथ पूरे कैसे हो? हमने मनोरथ पूरा करने के लिए देवी को अपने नियंत्रण में लाने का सरल मार्ग के रूप में 9 दिनों की नवरात्रि के व्रत पूजा भक्ति को अपना लिया है ओर जगह जगह देवी के विभिन्न स्वरूपों को प्राण प्रतिष्ठित कर उनकी आराधना शुरू कर दी। मत्स्य पुराण में मातृ चक्र में वर्णित माताओं के स्वरूपों में ब्रह्मचारिणी, शैलपुत्री, सिद्धिदात्री, चंद्रघंटा,महागौरी, कात्यायनी, कालरात्रि,कुष्मांडा एवं स्कन्दमाता सहित सर्वमंगला,चंडी ब्रह्माणी, माहेश्वरी,कौमारी,वैष्णवी,वाराही, इंद्राणी,योगेश्वरी,चामुंडा,शिवा, कालिका,दुर्गा,काली,छिन्नमस्तिका आदि अनेक विभिन्न दिव्य स्वरूपो के दिव्यता ने हमे उनकी उपासना के लिए प्रेरित किया ओर हम उनका आह्वान कर जाग गए पर यह विडंबना ही कहेंगे कि मनुष्य होने के नाते हमारे अंदर की दिव्यता से हम परिचित न हो सके कि प्रकृति का एक रूप दयालु है तो दूसरे रूप में निर्मम है, जो हम मनुष्यों के भीतर भी छुपा हुआ है। दयालु रूप माता का है, जो उदारता का प्रतीक ज्ञान, समृद्धि,शक्ति देने के साथ जगत की रचना में जन्मदात्री माता बन अपनी संतान का पालन करती है तो वही शक्ति के रूप में अभय प्रदान कर सभी विघ्नों को दूर करती है तब देश में शक्ति आराधना के इस पर्व में करोड़ो लोग एक साथ साधनारत रहकर देश,समाज ओर घरों में सुख शांति, वैभव से वंचित क्यो है?

2 बार नवरात्रि का पर्व चैत्र ओर शारदीय दुर्गा पूजा कि विधि को हम एक साल में पूर्ण श्रद्धा ओर भक्ति से मनाते है ओर कुछ भक्त गुप्त नवरात्रि के प्रति भी अपनी भक्ति को जारी रखते है। हम अपने आराध्य देव या देवी के प्रति भक्ति कर शक्ति प्राप्त करे यह सहज ओर सरल युक्ति है किंतु हमारी युक्ति में त्रुटिया समाविष्ट हो जाये तो निश्चित रूप से इसके भयाभय परिणाम भी आएंगे,भले हमारे चर्मचक्षु इसे न देख पाये। तो क्यों न हम राजमार्ग के अनुसरण में जाने अनजाने होने वाली इन त्रुटियों कि ओर भी अपनी दृष्टि डाले ताकि इसकी पुनरावृत्ति से बचकर हम सन्मार्ग पर अपनी भक्ति का पुण्य फल प्राप्त कर सके। यह विचारणीय है कि जब भी कोई व्यक्ति अपने-परिवार के लिए सुख शांति ओर वैभव की संकल्पना को ध्यान में रखकर अपना आवास बनाता है तो वह सबसे पहले उचित स्थान का चयन करेगा,चयनित स्थान की सभी दिशाओं के वास्तु दोषों को देखेगा ओर दोष होने पर उनके निवारण आदि सभी महत्वपूर्ण बातों को विशेषज्ञों से जांच परख कर उचित मार्गदर्शन में ही निज निवास की नीव डालने से भवन के आकार को सम्पूर्णता प्रदान करेगा। जब वह खुद के लिए इतने सारी प्रक्रियाओं से एकाकार होता है तब प्रश्न उठता है कि वही व्यक्ति नवदुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की भक्ति करते समय उन्हें 9 दिन के लिए स्थापित करने से पूर्व इन सारी बातों के लिए अपनी आंखें क्यों बंद कर लेता है की हमे भी माता के लिए उचित स्थान, उचित दिशा,उचित मंडप,उचित तोरण द्वार आदि वास्तुशास्त्र के दिशा निर्देश से बनाकर माँ को आमंत्रित कर स्थापित करना चाहिए ताकि पूजा हेतु स्थापित स्वरूप आपको यश,प्रतिष्ठा,सौन्दर्य,वैभव आदि सभी सहज ओर सरलता से भक्ति के बदले दिला दे ओर भक्ति की बयार से देश,प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति की दिशा ओर दशा परिवर्तित हो जाये। परंतु ऐसा दिखता नहीं जिसका कारण है जिन पंडित-पुजारियों को धर्म ज्ञान का संचार कर उचित मार्गदर्शन करना होता है वे भी पूजा पाठ की दक्षिणा के आगे खामोश हो जाते है ओर उन की चतुराई अपने पांडित्य को धर्मानुष्ठान से सिद्ध कर दुर्गोत्सव पद्धति में धर्मशास्त्रीय व्यवस्था को चौपट कर जिस भक्ति भाव से माता के हृदय में अपनी भक्ति की पुकार पहुंचाने के लिए आरती,प्रार्थना के स्वरों में मात भारत को जल्द से बलवान कर जिससे सुखी हो सारे नारी ओर नर दास कवि के भावों का आर्तनाद किया जाता है वह इन चूकों के रहते निष्फल ही है ओर भक्ति में लगे हम लोग भक्ति के स्थायित्व के स्थान पर कलुषित विचारों से मुक्त नहीं हो पाते है।

दुर्गा भक्ति तरंगिणी में प्रोफेसर पंडित काशीनाथ जी मिश्र देवी के इन विभिन्न स्वरूपों के लिए बनने वाले पूजा मंडपों के वास्तविक आकार,प्रकार की प्राथमिकता से विसर्जन तक की वैदिक धर्मानुगत विधि को शामिल करते है जिसमे शुरुआत स्वच्छ एवं उत्कृष्ट स्थान में ईशान कोण अथवा पूर्व दिशा में सभी विशेषताओं से समन्वित एवं मन को प्रिय लगने वाले देवी मंडप का वैदिक पद्धति से निर्माण करते समय देवी की प्रतिमा के विस्तार एवं ऊंचाई के अनुपात में तोरण की रचना की जाकर एक हाथ के बराबर भूमि नीचे रखकर चार हाथ की ऊंचाई के बराबर का भाग भूमि के ऊपर रखते हुये अन्य नियोजन कर प्रवेशद्वार चंद्रमा के प्रकाश कि तरह रश्मि जाल से पूर्णता पर थमते है जहां देवी के स्वरूप का सौंदर्य ओर लावण्यता अवर्णनीय दिखे। वास्तु के आधार पर स्थान के दोषों के अलावा जिस स्थान पर देवी की 9 दिवसीय स्थापना हो उस स्थान पर पताका फहराने के लिए वक्र वंश दंड के अपेक्षा सीधे सरल आकार के वंशज दंड में अगर पताका दो हाथ लंबी हो तो उसकी ऊंचाई आठ हाथ के बराबर हो जिसे सप्तशती के सर्वकालिक मंत्रो के पाठ से उत्तोलित कर लगाने का विधान है ताकि पूजा के हर अवसर पर यह पताका भक्त को विजय प्राप्ति में वरदान साबित हो सके।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण

डॉश्र सत्यवान सौरभ,
भिवानी,हरियाणा

भारत एक ऐसा देश है जिसकी पहचान उसकी सभ्यता और सांस्कृतिक परंपरा से होती है। यहाँ हजारों वर्षों से ज्ञान की धारा निरंतर बहती रही है। वेदों और उपनिषदों से लेकर आयुर्वेद,गणित,खगोल, साहित्य और संगीत तक,हमारी पांडुलिपियों ने विश्व को वह दिया है जो आज भी अद्वितीय और अनुपम है। किंतु इस धरोहर को व्यवस्थित ढंग से सुरक्षित करने और दुनिया तक पहुँचाने में हम बार-बार चूकते रहे। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हालिया कथन कि पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण बौद्धिक चोरी को रोकेगा,अत्यंत प्रासंगिक और दूरदर्शी है। यह कथन केवल तकनीकी समाधान की ओर इशारा नहीं करता, बल्कि हमारी सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का संकल्प भी है।

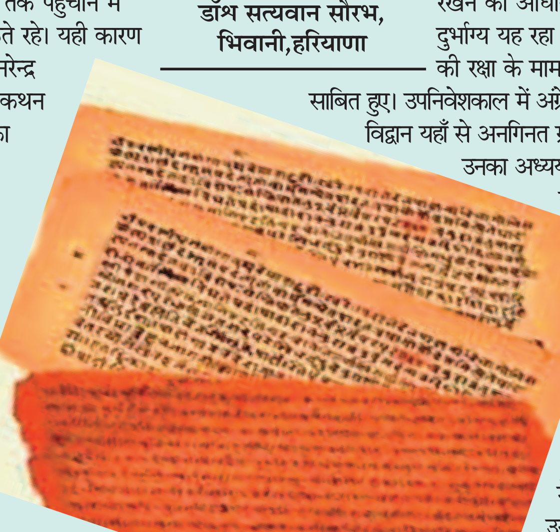

भारतीय पांडुलिपियाँ केवल कागज़ या ताड़पत्र पर लिखे शब्द नहीं हैं। वे समाज की स्मृति हैं,परंपराओं की कहानी हैं और ज्ञान की धरोहर हैं। इनमें विज्ञान,चिकित्सा,खगोल,दर्शन और कला से लेकर जीवनशैली तक का संपूर्ण अनुभव सुरक्षित है। आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आज भी ऐसी औषधियों और चिकित्सा विधियों का उल्लेख मिलता है जिनकी प्रासंगिकता आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है। गणित और खगोल से संबंधित पांडुलिपियों में शून्य, दशमलव और ग्रह-नक्षत्रों की गति का इतना विस्तृत विवरण है कि पश्चिमी जगत ने उनसे प्रेरणा लेकर अपने वैज्ञानिक शोध को दिशा दी। संगीत और नृत्य की पांडुलिपियाँ हमारी कलात्मक परंपरा को जीवित रखने का आधार हैं।

दुर्भाग्य यह रहा कि इन पांडुलिपियों की रक्षा के मामले में हम लापरवाह साबित हुए। उपनिवेशकाल में अंग्रेज और अन्य यूरोपीय विद्वान यहाँ से अनगिनत ग्रंथ ले गए। उन्होंने उनका अध्ययन किया और कई बार उनके अनुवाद अपने नाम से प्रकाशित कर दिए। योग और ध्यान की पद्धतियाँ,जो भारत की आत्मा हैं, विदेशों में अलग रूप में प्रस्तुत की गईं और उनसे भारी व्यावसायिक लाभ उठाया गया। आयुर्वेदिक नुस्खों और औषधीय पौधों पर विदेशी पेटेंट दर्ज हुए। हल्दी और नीम जैसे सामान्य ज्ञान पर भी कंपनियों ने अपना अधिकार जताने का प्रयास किया। यह सब हमारे लिए चेतावनी है कि यदि हम अपने ज्ञान की रक्षा नहीं करेंगे,तो दुनिया उसे हड़प लेगी।

75 साल में साधारण से असाधारण बने नरेन्द्र मोदी

अजय कुमार,
लखनऊ (उ.प्र.)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदी पचहत्तर वर्ष के हो गये हैं। यह अवसर केवल उनके जीवन की एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति के एक अहम अध्याय का प्रतीक भी है। मोदी का जीवन असाधारण संघर्ष,धैर्य और राजनीति में उत्थान का उदाहरण माना जाता है। बचपन में एक छोटे नगर के स्टेशन पर चाय बेचने वाले लड़के से देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचने की उनकी यात्रा ने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया है। नरेन्द्र मोदी का जन्म 17 सितम्बर 1950 को गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर नगर में हुआ। उनका परिवार आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न नहीं था। उनके पिता दामोदरदास मोदी रेलवे स्टेशन पर चाय बेचते थे और उसी काम में बचपन से नरेन्द्र मोदी भी हाथ बँटाते थे। शिक्षा के दौरान भी उन्होंने अनेक कठिनाइयों का सामना किया। सीमित संसाधनों के बावजूद उनके भीतर आत्मविश्वास और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनी रही। किशोरावस्था में ही मोदी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से परिचय मिला। वहीं से राष्ट्रभक्ति, संगठन और अनुशासन के संस्कार उनके भीतर गहरे पैठे। यही संस्कार आगे चलकर उनके राजनीतिक जीवन की नींव बने।

नरेन्द्र मोदी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत भारतीय जनता पार्टी के संगठन कार्य से की। वे चुनाव अभियान चलाने, पार्टी के विस्तार और संगठन खड़ा करने में निपुण समझे जाते थे। गुजरात में पार्टी को मजबूत बनाने में उनका बड़ा योगदान रहा। 1990 के दशक में वे राष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाने लगे और संगठन में विभिन्न दायित्व निभाते रहे। 2001 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल के अस्वस्थ होने पर पार्टी ने नरेन्द्र मोदी को राज्य की कमान सौंपी। यही से उनकी राजनीतिक यात्रा ने असली मोड़ लिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद मोदी ने गुजरात में प्रशासन को सुदृढ़ करने, उद्योग को प्रोत्साहन देने तथा आधारभूत ढाँचे पर बल देने का काम किया। उनके समर्थक मानते हैं कि गुजरात में उनका शासनकाल विकास उन्मुख रहा और राज्य में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बना। किन्तु 2002 में गुजरात में भयानक दंगे हुए, जिनमें सैकड़ों लोग मारे गए। यह घटना नरेन्द्र मोदी से जीवनपर्यंत जुड़ा एक गम्भीर विवाद बन गई। आलोचक मानते रहे कि दंगों को रोकने में प्रशासन विफल रहा,जबकि उनके समर्थक तर्क देते हैं कि मोदी ने शांति बहाल करने के लिए तत्परता से कदम उठाए। यह विवाद आज भी भारतीय राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है और उनका नाम इस प्रकरण से अनिवार्यतः जोड़ा जाता है।

2013 में भारतीय जनता पार्टी ने नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया। उनका अभियान मजबूत नेतृत्व और तेज़ विकास पर केंद्रित था। देशवासी उस दौर में आर्थिक ठहराव और भ्रष्टाचार से त्रस्त थे। मोदी ने जनता में यह विश्वास जगाया कि वे व्यवस्था बदल सकते हैं। 2014 के आम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक बहुमत मिला और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने। भारत ने तीन दशकों बाद पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार देखी। प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने स्वयं को केवल प्रशासक भर नहीं, बल्कि जनसंपर्क में दक्ष नेता के रूप में प्रस्तुत किया। उनके कार्यकाल में अनेक योजनाएँ लागू की गईं, जिनमें गरीबों के लिए आवास,शौचालय निर्माण,उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को रसोई गैस का जोड़ना, जनधन योजना के जरिये खातों का विस्तार और डिजिटल लेन-देन को प्रोत्साहन शामिल है। विदेश नीति में भी मोदी ने सक्रियता दिखाई। उन्होंने विश्व के अनेक देशों की यात्राएँ कीं और भारत की छवि को नये ढंग से प्रस्तुत किया। वे प्रवासी भारतीयों से संवाद करके उन्हें भी भारतीय विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयास करते रहे।

जहाँ मोदी ने व्यापक जनसमर्थन पाया,वहीं उनके कार्यकाल में कई विवाद भी उभरे। विमुद्रीकरण का निर्णय,जो 2016 में लिया गया,को उन्होंने काले धन और जालसाजी रोकने का कदम बताया,किन्तु इसके कारण आम जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। नोटबंदी के परिणामों पर आज भी मतभेद बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त कृषि सुधार से जुड़े नये नियमों पर देशभर में किसानों ने विरोध प्रदर्शन किए। अंततः सरकार को वे नियम वापस लेने पड़े। इस प्रसंग ने मोदी सरकार को गम्भीर राजनीतिक चुनौतियों का सामना कराया। नागरिकता संशोधन संबंधी विधेयक और अनुच्छेद 370 हटाने का निर्णय भी बहस का कारण बने। समर्थक मानते हैं कि इन कदमों से राष्ट्र की एकता और सुरक्षा सुदृढ़ हुई, जबकि आलोचक इसे लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए खतरा मानते रहे विवादों के बावजूद नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता कभी पूरी तरह कम नहीं हुई। उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जनता से संवाद स्थापित करने की अनूठी क्षमता रखते हैं। नियमित रूप से वे अपने विचार साझा करने के लिए 'मन की बात' जैसे कार्यक्रम का सहारा लेते हैं। सोशल माध्यमों पर भी उनकी सक्रियता उन्हें नई पीढ़ी से जोड़ती है। उनकी छवि एक ऐसे नेता की बनी है जो कठिन निर्णय लेने से नहीं झिझकते। उनके समर्थक उन्हें देश को आत्मनिर्भर बनाने वाला नायक बताते हैं, जबकि आलोचक उन्हें केंद्रीकृत सत्ता का प्रतीक मानते हैं।

कुल मिलाकर नरेन्द्र मोदी का पचहत्तर वर्ष का जीवन भारतीय राजनीति की उस यात्रा का प्रतीक है जिसमें संघर्ष, कठिनाइयाँ,सफलता और विवाद सब कुछ समाहित है। वे निश्चय ही इस बात के उदाहरण हैं कि साधारण पृष्ठभूमि का व्यक्ति भी दृढ़ संकल्प, परिश्रम और संघटन क्षमता के बल पर देश की सर्वोच्च कुर्सी तक पहुँच सकता है। उनका योगदान देश की राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज सभी को गहराई से प्रभावित करता रहा है। लेकिन उनके नाम से जुड़े विवाद यह भी दर्शाते हैं कि राजनीति केवल उपलब्धियों का नहीं, बल्कि निरंतर प्रश्नों और आलोचनाओं का भी मंच है। यह कहना अतिशियोक्ति नहीं होगी कि भारत के समकालीन इतिहास में नरेन्द्र मोदी का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। उनके समर्थक और आलोचक भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण रखते हों, लेकिन यह निर्विवाद है कि मोदी ने राजनीति की दिशा और स्वरूप को बदल डाला है। पचहत्तर की आयु में भी उनका उत्साह और सक्रियता लाखों लोगों को प्रेरित करती है।

निर्माण और शिल्पकला के देवता भगवान विश्वकर्मा

रमेश सर्राफ
धमोरा,राजस्थान

भगवान विश्वकर्मा को निर्माण एवं सृजन का देवता माना जाता है। हिंदू धर्म में इन्हें सृष्टि के दिव्य शिल्पकार, देवताओं के वास्तु विशेषज्ञ और पहले इंजीनियर के रूप में पूजा जाता है। विश्वकर्मा रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार के प्रतीक हैं। उनके सम्मान में भाद्रपद मास की सूर्यकन्या संक्रांति पर विश्वकर्मा जयंती मनाई जाती है। यह वह दिन है जब सूर्य सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश करता है। इस दिन मजदूर,कारीगर,इंजीनियर,आर्किटेक्ट और उद्योगपति अपने औजारों और मशीनों की पूजा करते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार चार युगों में विश्वकर्मा जी ने कई नगर और भवनों का निर्माण किया था।विश्वकर्मा पूजा एक ऐसा त्योहार है जहां शिल्पकार, कारीगर,श्रमिक भगवान विश्वकर्मा का त्योंहार मनाते हैं। कहा जाता है कि भगवान ब्रह्मा के पुत्र विश्वकर्मा ने पूरे ब्रह्मांड का निर्माण किया था। विश्वकर्मा को देवताओं के महलों का वास्तुकार भी कहा जाता है। विश्वकर्मा दो शब्दों विश्व (संसार या ब्रह्मांड) और कर्म (निर्माता) से मिलकर बना है। इसलिए विश्वकर्मा शब्द का अर्थ है दुनिया का निर्माण करने वाला।

विश्वकर्मा शिल्पशास्त्र के आविष्कारक और सर्वश्रेष्ठ ज्ञाता माने जाते हैं। जिन्होने विश्व के प्राचीनतम तकनीकी ग्रंथों की रचना की थी। इन ग्रंथों में न केवल भवन वास्तु विद्या, रथ आदि वाहनों के निर्माण बल्कि विभिन्न रत्नों के प्रभाव व उपयोग आदि का भी विवरण है। माना जाता है कि उन्होनें ही देवताओं के विमानों की रचना की थी। भगवान विश्वकर्मा की उत्पत्ति ऋग्वेद में हुई है। जिसमें उन्हें ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में वर्णित किया गया है। भगवान विष्णु और शिवलिंग की नाभि से उत्पन्न भगवान ब्रह्मा की अवधारणाएं विश्वकर्मण सूक्त पर आधारित हैं।

विश्वकर्मा प्रकाश को वास्तुतंत्र का अपूर्व ग्रंथ माना जाता है। इसमें अनुपम वास्तुविद्या को गणितीय सूत्रों के आधार पर प्रमाणित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि सभी पौराणिक संरचनाए भगवान विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हैं। भगवान विश्वाकर्मा के जन्म को देवताओं और राक्षसों के बीच हुए समुद्र मंथन से माना जाता है। पौराणिक युग के अस्त्र और शस्त्र भगवान विश्वकर्मा द्वारा ही निर्मित हैं। विश्वकर्मा जयंती का औद्योगिक जगत और भारतीय कलाकारों,मजदूरो, इंजीनियर्स आदि के लिए खास महत्व है। विश्वकर्मा जयन्ती भारत के जम्मू कश्मीर,पंजाब,हिमाचल,हरयाणा,दिल्ली, राजस्थान,मध्यप्रदेश,राजस्थान,उत्तराखंड,पश्चिम बंगाल,असम,ओडिशा,त्रिपुरा,बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में मनायी जाती है। नेपाल में भी विश्वकर्मा पूजा को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। विश्वकर्मा के पूजन और उनके बताये वास्तुशास्त्र के नियमों का अनुपालन कर बनवाये गये मकान और दुकान शुभ फल देने वाले माने जाते हैं। इनमें कोई वास्तुदोष नहीं माना जाता। औद्योगिक श्रमिकों द्वारा इस दिन बेहतर भविष्य, सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों और अपने-अपने क्षेत्र में सफलता के लिए प्रार्थना की जाती हैं। विश्वकर्मा जयन्ती के दिन देश के कई हिस्सों में काम बंद रखा जाता है और खूब पंतगबाजी की जाती है। विभिन्न प्रदेशों की सरकार विश्वकर्मा जयन्ती पर अपने कर्मचारियों को सावेतनिक अवकाश प्रदान करती है। यह त्योहार मुख्य रूप से दुकानों, कारखानों और उद्योगों द्वारा मनाया जाता है। इस अवसर पर, कारखानों और औद्योगिक क्षेत्रों के श्रमिक अपने औजारों की पूजा करते हैं। विश्वकर्मा वैदिक देवता के रूप में सर्वमान्य हैं। इनको गृहस्थ आश्रम के लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्माता और प्रवर्तक भी कहा गया है। अपने विशिष्ट ज्ञान-विज्ञान के कारण देवशिल्पी विश्वकर्मा मानव समुदाय ही नहीं वरन देवगणों द्वारा भी पूजित हैं। देवता, नर, असुर, यक्ष और गंधर्व सभी में उनके प्रति सम्मान का भाव है। भगवान विश्वकर्मा के पूजन-अर्चना किये बिना कोई भी तकनीकी कार्य शुभ नहीं माना जाता। इसी कारण विभिन्न कार्यो में प्रयुक्त होनेवाले औजारों,कल-कारखानों और विभिन्न उद्योगों में लगी मशीनों का पूजन विश्वकर्मा जयंती पर किया जाता है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

रामगढ मंदिर के बैगा चंदन सिंह ने बताया की ब्लास्टिंग से कांपता है पर्वत

मंदिर जाने के रास्ते की सीढ़ियों और सिंहद्वार के चट्टानों में पड़ी दरारें...स्थति बेहद खतरनाक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा के अध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का दल आज रामगढ पर्वत पर आसन्न खतरे की जांच के लिये पहुंचा। इस दल में 20 सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन के पूर्व उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल,निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद,पीसीसी महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बिकापुर शहर के अध्यक्ष श्री हेमंत सिन्हा,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अम्बिकापुर ग्रामीण के अध्यक्ष श्री विनय शर्मा,श्री विनीत विशाल जायसवाल आदि शामिल थे। जांच दल ने रामगढ पहाड़ में पड़ी दरारों के विषय में जानकारी के लिये पर्वत पर मौजूद मंदिर के बैगा चंदन सिंह और स्थानीय निवासियों से जानकारी प्राप्त की है। उनसे यह जानकारी मिली कि खदान में ब्लास्टिंग के कारण पूरा पहाड़ खतरनाक रूप से कंपन करता है। यह जानकारी मिली कि ब्लास्टिंग के कारण पहाड़ की चट्टानों में चारो ओर दरार पैदा हो गई है। मंदिर जाने के रास्ते में सीढ़ियों पर लाल माटी और सिंहद्वार पर चट्टानों में पड़ी दरारें बेहद खतरनाक स्थिति में है। स्थानीय निवासियों ने जानकारी दी है कि ब्लास्टिंग के कारण विगत वर्षों में सीढ़ियों की ये दरारें निरंतर चौड़ी होते जा रही हैं। अगर भविष्य में यहाँ ब्लास्टिंग जारी रही तो मंदिर तक पहुंचने वाली सीढ़ियों के चट्टानों में लैंडस्लाइड होने की पूरी संभावना है। ऐसी स्थिति में रामगढ पर्वत पर स्थित पवित्र राममंदिर जो सरगुजा जिले में धार्मिक आस्था का केंद्र है तक पहुँचना नामुमकिन हो जायेगा।

जांच दल इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि इस क्षेत्र में मौजूदा खदानों की गतिविधियों और नई खदान के खुलने से रामगढ पर्वत का अस्तित्व समाप्त होना तय है। स्थानीय निवासियों के साथ ही साथ जांच दल ने रामगढ संरक्षण एवं संवर्द्धन समिति के सदस्य राजनाथ सिंह,अमृत यादव,नंदा राम,मधु पंडो से भी मुलाकात की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा है कि जांच दल एक प्रेसवार्ता के माध्यम से बुधवार 17 सितंबर को इस जांच के निष्कर्षों को साझा करेगी। जाँच दल के साथ जनपद पंचायत उदयपुर के अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह,सत्येन्द्र नाथ तिवारी, अमित सिंहदेव,श्री अनिल सिंह,अनूप मेहता,गुरुप्रीत सिद्धू,विकल झा,सतीश बारी,विकास शर्मा,वीरेंद्र सिंह,सतीश यादव, रोहित टेकाम,त्रिलोचन सिंह, देवलाल यादव,सूरज याद,राम सिंह, सोमू,शुभम पाण्डे,हर्षवर्धन सिंह,भूपेंद्र गुंजन,नंदलाल,अयांश,ओम्कारेश्वर आदि मौजूद थे।

डीसएपी पर रायपुर की महिला ने लगाए रेप और वीडियो बनाने का आरोप,एफआईआर दर्ज

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

एक महिला ने सरगुजा आईजी से शिकायत कर बलरामपुर जिला मुख्यालय में पदस्थ एसडीओपी (डीएसपी) याकूब मेमन पर रेप और वीडियो बनाने का आरोप लगाया है। उसने बताया कि रायपुर में उनके किराए के मकान में वह रहती थी,इस दौरान डीएसपी ने उससे रेप किया और वीडियो बना लिया था। इस मामले में डीएसपी के खिलाफ जीरो में अपराध दर्ज कर डायरी रायपुर भेज दिया गया है। वहीं डीएसपी ने भी आईजी को एक आवेदन देकर महिला के खिलाफ ब्लैकमेल और डेढ़ लाख रुपए वसूलने का आरोप लगाया है। सरगुजा आईजी दीपक झा से की गई शिकायत में महिला ने बताया कि रायपुर के टिकरापारा में याकूब मेमन टीआई के पद पर पदस्थ था। इस दौरान वह उनके किराए के मकान में रहती थी। इसी बीच डीएसपी ने उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाया और मोबाइल पर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। महिला ने आरोप लगाया कि डीएसपी ने उसे कई बार बलरामपुर भी बुलाया था। इसकी शिकायत उसने रायपुर थाने में की,लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। उसने बलरामपुर पुलिस से भी शिकायत की, लेकिन वहां भी उसकी बात नहीं सुनी गई। अंततः उसने आईजी से मामले की शिकायत की। महिला की शिकायत पर पुलिस ने जीरो में अपराध दर्ज कर डायरी रायपुर पुलिस को भेज दी है। रायपुर पुलिस अब मामले की पूरी जांच करेगी। इधर महिला के आरोपों के बीच 12 सितंबर को आईजी को दिए गए शिकायती आवेदन में डीएसपी याकूब मेमन ने महिला पर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। डीएसपी का कहना है कि महिला उनके रायपुर स्थित किराए के मकान में रहती थी। करीब 9 माह पूर्व महिला ने उनसे आर्थिक मदद मांगी थी, इस पर मानवता के नाते उन्होंने उसकी सहायता की। इसके बाद महिला ने जान-बूझकर उनसे नजदीकियां बढ़ाई और अंतरंग पलों का वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करते हुए डेढ़ लाख रुपए वसूल लिए थे। वहीं उसने उक्त मकान को अपने नाम करने का दबाव भी डाला था। डीएसपी ने शिकायत में बताया है कि महिला ने वीडियो कॉल पर अर्द्धनग्न फोटो लेकर उनकी पत्नी को उसे भेजने की धमकी दी। जब उन्होंने मकान उसके नाम करने से इनकार किया तो उसने झूठा मामला दर्ज कराने की धमकी दी। लगातार धमकियों से तंग आकर उन्होंने मामले की शिकायत आईजी से की। बता दें कि डीएसपी याकूब मेमन मूल रूप से भिलाई के रहने वाले हैं।

पुलिस ने मजदूरी के रूपये न मिलने से राजमिस्त्री आत्महत्या मामले में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार भेजा जेल

-संवाददाता-
सनावाल,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक राजमिस्त्री ने मजदूरी न मिलने व मजदूरी मांगने पर धमकी मिलने के कारण फांसी लगाकर आत्म हत्या थी। उक्त मामले में सनावल पुलिस ने मर्ग कायम कर, अपराध क्रमांक 33/2025 धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की जांच पंचनामा कार्यवाही किया गया एवं मृतक का पीएम सीएचसी रामानुजगंज से कराया गया । जिसमें मृतक की मृत्यु फांसी लगाने एवं दम घुटने से मृत्यु होना बताया गया है। पुलिस ने मर्ग जांच के दौरान प्रार्थी एवं गवाहों का कथन लिया गया,जांच में पाया कि मृतक जय गोविंद मानिकपुरी को ग्राम सुंदरी का ठेकेदार रामचंद्र मानिकपुरी 2 वर्ष से मजदूरी कराने ग्राम महोवा झांसी उत्तर प्रदेश ले गया था, और मृतक से राजमिस्त्री का कार्य करा रहा था, मृतक जय गोविंद मानिकपुरी का मजदूरी का पैसा रामचंद्र मानिकपुरी के पास 100000 (एक लाख रुपए) हो रहा था, मृतक के द्वारा अपना मजदूरी का पैसा आरोप से मांगने पर आरोपी रामचंद्र कोके द्वारा बोला गया कि मैं तुम्हारा मजदूरी का पूरा पैसा दे चुका हूं मेरे पास कोई पैसा देने के लिए नहीं बचा है। यह बोलकर आरोपी ने पैसा ना देकर मृतक को डांट कर वहां से भगा दिया था। दिनांक 30.7.2025 को मृतक जय गोविंद मानिकपुरी अपने भाई विनय मानिकपुरी के घर ग्राम नकवा से उसके मोटरसाइकिल एचएफ डीलक्स नंबर UP 64 AK 6234 को लेकर घर आ रहा था जो ग्राम कोंगा के पास रामचंद्र के लेवर मजदूर असरफी लोगों के द्वारा मृतक को रोक लिए और बोले कि तुम्हारा रिश्तेदार रामचंद्र हम लोगों का मजदूरी का पैसा नहीं दिया है मजदूरी का पैसा दिलवा दो तब तुमको जाने देंगे तब मृतक असरफी के मोबाइल में रामचंद्र मानिकपुरी के पास फोन कर बोला कि आप असरफी लोगों का मजदूरी का पैसा दे दो तब उतने में रामचंद्र मानिकपुरी असरफी लोगों को बोला कि तुम लोगों का मजदूरी का पैसा जय गोविंद मानिकपुरी देगा नहीं देगा तो उसकी मोटरसाइकिल को अपने पास रख लो बोलने पर वे लोग मृतक के मोटरसाइकिल को छीन कर अपने पास रख लिए तब मृतक पैदल अपने घर चला गया था कि मृतक रामचंद्र के पिता रामशरण के पास जाकर बोला कि आप अपने लड़का रामचंद्र के पास फोन लगाकर ग्राम कोंगा के लेवर मजदूर का पैसा देने के लिए बोल दो बोलने पर वह भी झगड़ा विवाद करने लगा। आरोपी ने मृतक के घर जाकर धमकी दी थी। दिनांक 31.07.2025 के 10- 11 बजे दिन को रामशरण मानिकपुरी मृतक के घर जाकर उसे धमकी दिया कि आज तुम अपना जितना सेवा करना होगा उतना सेवा करा लो आज तुझे मरवा कर फेंकवा दूंगा बोलकर धमकी देकर अपने घर चला गया था जिससे मृतक काफी डरा सहमा था जो मृतक जय गोविंद मानिकपुरी का मजदूरी का पैसा उसका ठेकेदार रामचंद्र मानिकपुरी के द्वारा नहीं देने तथा रामचंद्र मानिकपुरी के द्वारा ग्राम कोंगा के अपने लेवर मजदूर असरफी लोगों को बोला कि तुम्हारा लेवर मजदूरी का पैसा जय गोविंद मानिकपुरी देगा नहीं देगा तो उसकी मोटरसाइकिल को रख लेना बोलने पर उसके मोटरसाइकिल को असरफी लोगों के द्वारा लूट कर अपने पास रख लेने मोटरसाइकिल को मांगने पर न देकर रामचंद्र मानिकपुरी,रामशरण मानिकपुरी, असरफी लोगों के द्वारा शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने से तंग आकर दिनांक 31.7.2025 के 8:00 बजे रात से दिनांक 1.8.2025 के 11:00 बजे दिन के मध्य मृतक अपने घर अंदर प्लास्टिक रस्सी से गले में फांसी लगाकर आत्महत्या करना पाया गया जो अपराध धारा 108,309 (2),3(5)भारतीय न्याय संहिता का अपराध घटित होना पाए जाने से अपराध पंजीबद कर विवेचना में लिया गया, विवेचना के दौरान घटनास्थल निरीक्षण एवं प्रार्थी का कथन व गवाहों का कथन लिया गया प्रकरण के आरोपियों रामचंद्र मानिकपुरी पिता रामशरण मानिकपुरी उम्र 32 वर्ष रामशरण मानिकपुरी पिता स्वर्गीय रामदेव उम्र 65 वर्ष साकीन सुंदरी चौकी अमवार थाना दुद्धी जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश को दिनांक 16. 9.2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प विक्रेताओं की एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प विक्रेता जन कल्याण संघ परिवार के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर सोमवार को एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की गई। यह हड़ताल संघ के प्रमुख सदस्य महेन्द्र सिंह ठाकुर पर बिना जांच के की गई पुलिस कार्रवाई और पंजीयन विभाग में पदस्थ कम्प्यूटर ऑपरेटरों की मनमानी के विरोध में की गई।

संभागीय अध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में हुए इस आंदोलन में अंबिकापुर सहित कोरिया, मनेन्द्रगढ़,सूरजपुर,रामानुजगंज-बलरामपुर, एवं सरगुजा जिलों के सभी दस्तावेज लेखक एवं स्टाम्प विक्रेताओं ने अपने कार्यालय बंद रखकर आंदोलन को समर्थन दिया। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगे पूरी नहीं हुईं, तो वे आगामी दिनों में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बाध्य होंगे। संगठन ने आम पक्षकारों को हुई असुविधा के लिए खेद प्रकट किया है। शासन द्वारा लागू नई पंजीयन सुविधा के तहत विक्रय विलेख, दान पत्र एवं अंतरण विलेखों पर अब पटवारी व तहसीलदार के हस्ताक्षर की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। आमजन से अपील की गई है कि सुविधा का लाभ उठाएं और किसी भी असुविधा के लिए अधिकृत दस्तावेज लेखक से ही संपर्क करें। आंदोलन में सत्येन्द्र सिन्हा, अशोक कश्यप, काशीनाथ तिवारी, बी. कुजूर, मोहम्मद फारूक,शाहनवाज खान,श्रीनिवास तिवारी सहित अनेक स्टाम्प विक्रेता एवं लेखक उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता:जाम दोहर और पीजी-11 ने किया अगले दौर में प्रवेश

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

गांधी स्टेडियम में जारी संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता के अंतर्गत आज दो रोमांचक मुकाबले खेले गए। पहला मैच फुटबॉल क्लब जाम दोहर और फुटबॉल क्लब परसोढी के बीच खेला गया। जमदोहर की टीम ने शानदार तालमेल के साथ खेलते हुए पहले हाफ में ही दो गोल दागकर 2-0 की बढ़त हासिल कर ली। परसोढी की टीम ने दूसरे हाफ में वापसी की भरपूर कोशिश की, लेकिन कमजोर तालमेल के कारण कोई गोल नहीं कर सकी। अंततः जमदोहर ने 2-0 से जीत दर्ज कर अगले चरण में जगह बनाई। दूसरा मैच पीजी11 अंबिकापुर और न्यू बॉयज क्लब बृजनगर के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला शुरू से ही कड़ा रहा। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में पीजी11 ने गोल कर 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में ब्रिज नगर ने वापसी की भरपूर कोशिश की, लेकिन पीजी11 की मजबूत रक्षा पंक्ति ने उन्हें रोके रखा। मैच के अंतिम चरण में पीजी11 ने एक और गोल कर बढ़त 2-0 कर ली, हालांकि ब्रिज नगर ने आखिरी मिनट में एक गोल कर स्कोर 2-1 किया पर जीत नहीं पा सका। मैच के निर्णायक विल्सन कुजूर, आयुष,अंकुश,अनुप्रास, अखिलानंद और दीपक कुजूर रहे। कल पहला मुकाबला दी ब्रदर्स बनी झरिया और न्यू स्टार क्लब कोटिया के बीच तथा दूसरा मैच संत इग्नियस चर्च नमूना कला और यूनाइटेड 11 के बीच खेला जाएगा।

ओड़िशा से गांजा लेकर पहुंचा था अंबिकापुर,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने 15 सितंबर को प्रतिक्षा बस स्टैंड स्थित संतगुरु कबीर आश्रम के पास से एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 6.500 किलो गांजा जब्त किया है। आरोपी एक अन्य सहयोगी के साथ ओड़िशा से बस से लेकर अंबिकापुर पहुंचा था। यहां से वह यूपी जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था। 15 सितंबर को कोतवाली पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की प्रतिक्षा बस स्टैंड स्थित संत गुरु कबीर आश्रम के पास दो व्यक्ति प्लास्टिक बोरी में गांजा रखकर किसी का इंतजार कर रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति बोरी के साथ बैठा है। जिसे हिरासत में लेकर बोरी की तलाशी ली तो 6.500 ग्राम गांजा पाया गया। जिसे पुलिस ने जब्त कर आरोपी आशुतोष शर्मा पिता विजय नारायण शर्मा उम्र 19 साल निवासी परसौना थाना घोरावल जिला सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

अवैध महुआ शराब बिक्री के मामले मे आरोपी गिरफ्तार,कुल 40 लीटर महुआ शराब कीमती 8000/- रुपये किया गया बरामद

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

अवैध महुआ शराब की खरीद बिक्री मे शामिल संदेहियो/आरोपियों पर पुलिस टीम द्वारा पैनी नजर रखकर सखूती से कार्यवाही की जा रही है, इसी क्रम में दिनांक 16/09/25 कों थाना मणीपुर पुलिस पेट्रोलिंग टीम मेंड्राकला भिट्ठीकला की ओर रवाना हुई थी इस दौरान मुखबिर सूचना प्राप्त हुआ कि भिट्ठीकला मणीपुर थाना निवासी कृष्णा राजवाड़े अपने कब्जे घर मे भारी मात्रा मे अवैध महुआ शराब बिक्री करने के लिए रखा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल भिट्ठीकला संदेही के निवास पर पहुंचकर देखा गया जो मौक़े पर मुखबीर द्वारा बताये हुलिया के अनुसार एक व्यक्ति मिला जिससे पूछताछ करने पर अपना नाम कृष्णा राजवाड़े आत्मज गिरधारी राजवाड़े उम्र 36 वर्ष साकिन भिट्ठीकला थाना मणीपुर का होना बताया, जो संदेही को मुखबिरी सूचना से अवगत कराकर संदेही की सहमति एवं उपस्थिति मे आरोपी के परछी की तलाशी लिया गया जो आरोपी के परछी से 20-20 लीटर के जरीकेन के रखा कुल 40 लीटर हाथ भट्टी का बना हुआ अवैध महुआ शराब कुल कीमती 8000/- रुपये जप्त कर आरोपी से उक्त महुआ शराब के सम्बन्ध मे वैध दस्तावेज की मांग की गई।

ओजोन दिवस पर पीजी कॉलेज में व्याख्यानमाला आयोजित

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय अंबिकापुर के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग में ओजोन दिवस के अवसर पर एक दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल सिन्हा, गेस्ट प्राध्यापक ओमकार कुशवाहा, भूगोल फैकल्टी डॉ. राजीव जाना सहित छात्रों ने सहभागिता की। डॉ. अनिल सिन्हा ने कहा कि भूगोल पृथ्वी विज्ञान है जो जलमंडल, स्थलमंडल एवं वायुमंडल का अध्ययन करता है। ओजोन परत वायुमंडल की वह परत है जो सूर्य की हानिकारक किरणों से पृथ्वी की रक्षा करती है। भौतिकवादी गतिविधियों के चलते यह परत संकट में है।

गेस्ट प्राध्यापक ओमकार कुशवाहा ने बताया कि ओजोन परत स्ट्रैटोस्फियर में 15 से 35 किमी ऊंचाई पर स्थित है और यह पराबैंगनी किरणों को अवशोषित कर जीवन की रक्षा करती है। डॉ. राजीव जाना ने ओजोन परत के स्वास्थ्य पर प्रभाव,कृषि सुरक्षा और फसलों की गुणवत्ता में इसकी भूमिका को रेखांकित किया। छात्रा काजल सोनी ने कहा कि ओजोन परत ऊर्जा संतुलन और तापमान नियंत्रण में सहायक है।

सौर ऊर्जा से घर-घर उजाला,गंगापुर निवासी बने बिजली उत्पादक

-संवाददाता-
अंबिकापुर,16 सितम्बर 2025
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं को न सिर्फ बिजली बिल की चिंता से मुक्त किया है,बल्कि उन्हें बिजली उत्पादक बनाने का अवसर भी दिया है। इस योजना का लाभ उठाकर अम्बिकापुर के गंगापुर निवासी श्री अशोक कुमार ने अपने घर की छत पर 5 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किया है।

योजनांतर्गत 108000 की मिल रही सब्सिडी

श्री कुमार ने बताया कि सामान्य दिनों में यह संयंत्र प्रतिदिन 21 यूनिट तक बिजली का उत्पादन करता है, जबकि बादलों के मौसम में भी 15 यूनिट से अधिक बिजली देता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपए तथा राज्य सरकार की ओर से 30 हजार रुपए, कुल मिलाकर 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी प्राप्त हो रही है। ग्रामीण बैंक से वित्तीय सहयोग लेकर लगाए गए इस संयंत्र से उनका बिजली बिल माइनस हो गया है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सोलर रूफटॉप से न सिर्फ बिजली बिल से छुटकारा मिला है, बल्कि ग्रीन एनर्जी को भी बढ़ावा मिल रहा है। अतिरिक्त बिजली को हम ग्रिड को बेच सकते हैं। यह योजना वास्तव में जनता के लिए राहतकारी है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे आगे आकर इस योजना का लाभ उठाएं और बिजली बिल की चिंता से मुक्त होकर स्वच्छ ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाएं।

ऑनलाईन प्रक्रिया से पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना हेतु कर सकते हैं आवेदन : पीएम सूर्य घरदूमुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को किसी जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ता। पूरा आवेदन और स्थापना की प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से भी संभव है। उपभोक्ता स्वयं https://pmsuryaghar.gov.in पोर्टल पर लॉगिन कर आवेदन कर सकते हैं। वेंडर का चयन भी उपभोक्ता स्वयं ऑनलाइन कर सकते हैं। आवेदन के लिए पीएम सूर्य घर मोबाइल ऐप, सीएस पीडीसीएल की वेबसाइट, मोर बिजली ऐप या बिजली कंपनी के टोल फ्री नंबर 1912 पर कॉल की सुविधा भी उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता नजदीकी सीएस पीडीसीएल कार्यालय से भी संपर्क कर सकते हैं

हरित ऊर्जा से समृद्ध होगा भविष्य

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से एक ओर आम नागरिकों को आर्थिक लाभ हो रहा है, वहीं दूसरी ओर स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग से हरित भविष्य की राह भी प्रशस्त हो रही है। यह योजना गांव-गांव और शहर-शहर में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

एक जेब में नेता और दूसरी जेब में पैसा,जिसके दम पर आयोजित होनी थी राजधानी में न्यूड पार्टी?

क्या शासकीय तृतीय श्रेणी सहायक ग्रेड दो कर्मचारी निकला न्यूड पार्टी आयोजन का मास्टरमाइंड?

स्वास्थ्य विभाग नौकरी केवल औपचारिकता,बाकी काम था पूरा दलाली वाला

ऑडी-फॉर्च्यूनर में कलेक्टर एसपी व विधायक नही घूम बाते पर सहायक ग्रेड दो कर्मचारी घूमता था,कई तोले सोने से लदा रहने के कारण गोल्डमैन नाम से हुआ प्रसिद्ध

35 हजार तनख्वाह वाले शासकीय कर्मचारी की हाई प्रोफाइल जीवन शैली,ऐशोआराम की जिंदगी लग्जरी कार,अधिकारियों से भी ऊपर की थी जीवनशैली

35 हजार की तनख्वाह वाला कैसे चला रहा था करोड़ों का राजधानी में हाइपर क्लब?

-रवि सिंह-

रायपुर/सूरजपुर/कोरिया 16 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग के तृतीय श्रेणी सहायक ग्रेड 2 के कर्मचारी क्या एक जेब में नेता को और दूसरे जेब में पैसा को लेकर नौकरी कर रहे हैं,ऐसे सवाल इसलिए खड़े हो रहे हैं क्योंकि हाल ही में प्रदेश की राजधानी से एक मामला सामने आया है जिसमें राजधानी में न्यूड पार्टी का आयोजन किया जाना था जिसका प्रचार प्रसार जारी था और जिसका मास्टरमाइंड कोरिया जिला निवासी साथ ही सुरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग में सहायक ग्रेड दो के पद पर पदस्थ एक लिपिक है, यह कर्मचारी छत्तीसगढ़ का सबसे चर्चित कर्मचारी है,इसे गोल्डमैन के नाम से भी जाना जाता है और उसके कारनामे किसी से छिपे नहीं है,अभी हाल ही में सूरजपुर जिले में ऑक्सीजन प्लांट लगने के बाद किसी दूसरे पार्टी को भुगतान करने के मामले में अपराध इसके ऊपर दर्ज हुआ था वहीं इसके ऊपर कई बार भर्तियों में अवैध रूप से करोड़ों वसूलने का आरोप है,अब इस कर्मचारी के ऊपर रायपुर में न्यूड पार्टी आयोजित करने के मामले में अपराध दर्ज हुआ है,यह कर्मचारी एक छोटे कर्मचारी समूह से आता है लेकिन रायपुर में इसका आलीशान हाइपर क्लब चलता है जहां पर नेता व अधिकारियों को यह निशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराता है ऐसा सूत्रों का कहना है,इस कर्मचारी को संरक्षण हर सरकार में मिलता आया है जिस वजह से आज एक कर्मचारी अपने आप में कई करोड़ों का संपत्ति इकट्ठा कर चुका है,आखिर इस कर्मचारी को इतना संरक्षण कैसे मिला अपराध दर्ज होने के बाद भी उसकी नौकरी नहीं गई आज भी वह सूरजपुर जिले में पदस्थ है इस बार उसके ऊपर न्यूड पार्टी आयोजित करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया है।

राजधानी में न्यूड पार्टी आयोजन को लेकर की गई कार्रवाई

न्यूड पार्टी मामले में रायपुर पुलिस ने खुलासा कर बताया की मामले में प्रमोशन और प्रमोट करने वाले सहित 7 गिरफ्तार हुए है। 13.09.2025 को सोशल मिडिया एवं अन्य माध्यम से पुलिस को जानकारी प्राप्त हुई कि अपरिचित क्लब प्रस्तुत के द्वारा रायपुर की सबसे बड़ी स्ट्रेंजर हाउस/पूल पार्टी का आयोजन दिनांक 21.09.2025 को 04.00 बजे से मध्य रात्रि तक वीआईपी रोड के किसी फार्म हाऊस/पब/पूल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पुलिस के द्वारा स्वतः संज्ञान लेते हुए अपरिचित क्लब के संचालक एवं पूल पार्टी के आयोजकों एवं मोबाइल नंबर के धारकों के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में अपराध क्रमांक 592/25 धारा 4 स्त्री अशिष्ट रूपण प्रतिषेध अधिनियम, धारा 67 आईटी एक्ट एवं धारा 79 भारतीय न्याय संहिता का अपराध पंजीबद्ध किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में साइबर विंग टीम द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों तथा वेब पोर्टल में उक्त पार्टी से संबंधित प्रचारित एवं प्रसारित हो रहे पोस्टर व इससे संबंधित मोबाईल नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया गया। तकनीकी विश्लेषण के दौरान आरोपियों के संबंध में जानकारी एकत्र करते हुए, एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना तेलीबांधा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा आरोपियों की पतासाजी करते हुए भेजा गया जिसमे 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

जेम्स बेक के, ये काले कारनामे ने उसे प्रदेश में किया प्रसिद्ध?

स्ट्रेंजर पार्टी कराने वाले हाइपर अपरिचित क्लब का संचालक कोरिया बैकुंठपुर का जेम्स बेक है। वह कोरिया और सूरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग में क्लर्क था। भ्रष्टाचार व फर्जीवाड़े के कई मामलों में उसका नाम पहले भी आ चुका है। 2012 में एनपीडब्ल्यू भर्ती में धांधली के आरोप में उसे निलंबित किया गया था। जांच रिपोर्ट में फाइल गायब करने और फर्जी दस्तावेजों की पुष्टि के चार साल बाद उसकी बहाली कर दी गई। फिर उसकी पोस्टिंग सूरजपुर में हुई, जहां कागजी हेराफेरी और फर्जी बिलिंग कर लाखों का गबन किया। जांच में सामने आया कि उसने सीएमएचओ की अनुमति के बिना मंत्रालय फर्जी आहरण कर लिया। उसे सूरजपुर जिले से सस्पेंड कर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) भेजा गया। कोविड से काल में ऑक्सीजन प्लांट भुगतान घोटाले में उसका नाम एक बार फिर सामने आया। सूरजपुर थाने में मामला दर्ज हुआ। इसके बाद वह लंबे समय से निलंबित था। माना जाता है कि मंत्रालय में उसकी गहरी पैठ है, जिससे वह बार-बार बच निकलता है। बता दें कि स्वास्थ्य विभाग में क्लर्क के पद पर कार्यरत जेम्स बेक भ्रष्टाचार और घोटाले के मामले में कई बार सस्पेंड हुआ,लेकिन सख्त कार्रवाई कभी नहीं हुई। वर्ष 2012 में भर्ती घोटाले में दस्तावेज और फाइल गायब करने शामिल पाए जाने के बाद निलंबित किया गया था। जांच रिपोर्ट में फर्जी की पुष्टि के बावजूद चार साल के अंदर ही उसकी बहाली कर दी गई।

कोरिया जिले के सोनहत में 2004 में हुई थी नियुक्ति

जेम्स की नियुक्ति 2004-05 में कोरिया जिले के सोनहत स्वास्थ्य केंद्र में क्लर्क पद पर हुई थी। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के अनुसार करीब आठ साल तक वह कोरिया में पदस्थ रहा। 2012 में भर्ती घोटाले के चलते पहली बार उसका नाम सुर्खियों में आया। इसके बाद उनका तबादला सूरजपुर जिला स्वास्थ्य विभाग में हुआ। यहां फर्जी बिलिंग और गड़बड़ियों के गंभीर आरोप लगे। भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े में लिप्त होने पर कई बार निलंबित भी हुआ, लेकिन हर बार किसी न किसी तरह बहाल होकर पद पर लौट आया। लगातार विवादों के बावजूद जेम्स गड़बड़ियों से बाज नहीं आया।

फार्म हाउस में आयोजित होनी थी पार्टी पार्टी से पहले पकडे गए ये आरोपी

आरोपी संतोष जेवानी एवं अजय महापात्रा इवेंट ऑर्गेनाइज करने वाले थे। आरोपी संतोष गुप्ता जिसका भाठागांव में एस.एस. नाम से फार्म हाउस है, उक्त इवेंट हेतु संतोष गुप्ता द्वारा अपना फार्म हाउस उपलब्ध कराया गया था। आरोपी अवनीश गंगवानी द्वारा इवेंट का प्रमोशन कराया जा रहा था एवं व्हाट इज रायपुर नाम से इवेंट का करता है प्रमोशन। आरोपी जेम्स बेक वीआईपी रोड तेलीबांधा रायपुर स्थित हाइपर क्लब का मालिक/संचालक है,जो दीपक सिंह एवं देवेन्द्र कुमार यादव के साथ मिलकर अपने क्लब के माध्यम से इस इवेंट को प्रमोट कर रहे थे,उक्त इवेंट में जिन व्यक्तियों ने अपने बैंक खातों से रकम ट्रांसफर कर अपनी एंट्री करायी है,ऐसे व्यक्तियों की भी जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी संतोष गुप्ता पिता स्व. जागेश्वर प्रसाद गुप्ता उम्र 68 साल निवासी मकान नंबर 25 बरसाना इन्क्लेव महोबा बाजार थाना आमानाका रायपुर। संतोष जेवानी पिता परसराम जेवानी उम्र 30 साल निवासी जोरा पाटीदार भवन के पीछे थाना तेलीबांधा रायपुर। अजय महापात्रा पिता जुगल किशोर महापात्रा उम्र 35 साल निवासी गायत्री नगर न्यू सेंट वेरी कालोनी मकान नंबर ए 14 थाना खम्हारडीह रायपुर। अवनीश गंगवानी पिता रमेश गंगवानी उम्र 31 साल निवासी ब्यूटी पार्लर के पास अवंति विहार थाना खम्हारडीह रायपुर।जेम्स बेक पिता स्व. जॉन बेक उम्र 59 साल निवासी अवंति विहार विजय नगर थाना खम्हारडीह रायपुर। दीपक सिंह पिता स्व. रमाशंकर सिंह उम्र 39 साल निवासी हायपर क्लब तेलीबांधा थाना तेलीबांधा रायपुर, देवेन्द्र कुमार यादव पिता अश्वनी कुमार यादव उम्र 37 साल निवासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी थाना खम्हारडीह रायपुर।

सरकारी बाबुओं की असली कहानी बयान करता है जेम्स बेक का जीवन परिचय

कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग से नौकरी आरंभ करने वाला लिपिक जेम्स बेक सहायक ग्रेड 3 से शासकीय सेवा में आया, कोरिया जिले के स्वास्थ्य विभाग में काम करते हुए उसने बाबुओं की क्षमता को नया आयाम दिया और भ्रष्टाचार से उसका नाम जुड़ना शुरू हुआ,इसने भ्रष्टाचार के बल पर खुद को गोल्ड मैंन की भी उपाधि दिलाई और फिर इसका तबादला सुरजपुर जिले के लिए जिला गठन उपरांत हो गया,सूरजपुर जिले में उसने अपनी कार्यप्रणाली को और निखारा और भ्रष्टाचार के नए आयाम स्थापित किए,भर्ती सहित खरीदी में इसका नाम सुर्खियों में बना रहा और कई बार शिकायतें हुईं और प्राथमिकी भी दर्ज हुई लेकिन उसका कुछ कोई नहीं बिगाड़ सका। जेम्स बेक तब तक एक बड़ा नाम बाबुओं में बनकर उभर चुका था जिसने बाबू की कमाई से राजधानी के वीआईपी रोड में हाइपर क्लब के नाम से संचालित एक क्लब का संचालन शुरू कर दिया और फिर यह अधिकाशं राजधानी में ही रहने लगा। इस बाबू को कभी शासकीय नियमों कायदों से बंधा नहीं पाया गया और यह बाबुओं की असली सच्चाई उजागर करता रहा कि कैसे अधिकारियों से भी अधिक आगे बढ़ सकता है एक बाबू,इसके साथ के बाबुओं की भी हैसियत इसके जैसी बनती रही यह बाबुओं के लिए प्रेरणा बनता गया यह भी बताया जाता है। आज यह बाबुओं का सरताज है जिसे बाबू अपने लिए आदर्श भी मानते हैं ऐसा बताया जाता है।

क्या जेम्स के हाइपर क्लब में अधिकारियों सहित नेताओं को मिलती थी वीआईपी सेवा?

वैसे जेम्स बेक का हाइपर क्लब वीआईपी रोड रायपुर में स्थित था और यह क्षेत्र काफी हाई फाई क्षेत्र माना जाता है और यह महंगे क्षेत्र के रूप में राजधानी में जाना जाता है, इस क्षेत्र में क्लब का संचालन आम बात नहीं है, बताया जाता है यह क्लब वीआईपी ट्रीटमेंट क्लब बन गया था और सूत्रों का कहना है यहां हर तरह की सुविधा उपलब्ध कराई जाती थी,यह क्लब अपने यहां मौजूद सुविधाओं के अतिरिक्त अन्य जगहों पर भी सुविधा उपलब्ध कराने का काम करता था ऐसा बताया जाता है,वैसे जैसा सूत्रों का दावा है क्या हाइपर क्लब अधिकारियों सहित नेताओं के लिए वीआईपी सुविधा उपलब्ध कराने ही संचालित था,क्या यहां वीआईपी ट्रीटमेंट के नाम पर वह सुविधा मुहैया कराई जाती थीं जो कहीं न कहीं गैर कानूनी भी सुविधाएं कही जा सकती हैं,वैसे हाइपर क्लब काफी रहस्यमई क्लब के रूप में विख्यात है ऐसा कहा जाता है जहां आम व्यक्ति का पहुंचना मुश्किल था और जहां वीआईपी मूवमेंट तगड़ा था।

छापेमारी में जेम्स समेत सात आरोपी हुए थे गिरफ्तार

जांच में सामने आया है कि जेम्स रायपुर के चर्चित हाइपर क्लब का संचालक है। अपरिचित क्लब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्ट्रेंजर पार्टी का प्रचार करता था। युवाओं से ऑनलाइन एंट्री फीस वसूली जाती थी। 21 सितंबर को भाठागांव के फार्म हाउस में स्ट्रेंजर पूल पार्टी की जानी थी। पुलिस को इसकी भनक लगी और समय रहते कार्रवाई कर दी गई। छापेमारी में जेम्स बेक सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया।

बैकुंठपुर में आलीशान घर

स्वास्थ्य विभाग के लिपिक से लेकर अश्लील आयोजनों का संचालक बनने तक की कहानी जेम्स की ऐशो-आराम की जिंदगी को उजागर करती है। बैकुंठपुर के खुटहन पारा में उसका आलीशान घर है। वह हमेशा सिर से पांव तक सोने के आभूषणों से लदा रहता है। लग्जरी गाड़ियों का शौक इतना कि उसके पास ऑडी, फॉर्च्यूनर, इनोवा और क्रेटा जैसी गाड़ियां हैं। उसकी लाइफ स्टाइल हमेशा चर्चा में रही, लेकिन रायपुर की स्ट्रेंजर पार्टी कांड ने उसकी असलियत को पूरी तरह बेनकाब कर दिया।

Accused More Than (अज्ञात आरोपी एक से अधिक हो तो संख्या):0220/25

S.No. (क्र.सं.)	Name (नाम)	Alias (उपनाम)	Relative's Name (रिश्तेदार का नाम)	Present (वर्तमान प
1	जेम्स कुमार बेक लिपिक सहायक वर्ग-02	BNS		ज**** भारत
2	विजय सिन्हा सेवानिवृत् लेखपाल	120-B,		ज**** भारत
3	सकिरन दास फार्मालिस्ट ग्रेड 02	419,420,		ज**** भारत
4	रनसाय सिंह मुख्य स्वास्थ्य एव चिकित्सा अधिकारी सूरजपुर	467, 468,		ज**** भारत
5	आशीष कुमार बोस यूनिक इंडिया दन्तेवाडा	471		द**** भारत

8.Reasons of delay in reporting by the complainant/informant (शिकायतकर्ता / रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):

9.Particulars of properties of interest (संबन्धित सम्पत्ति का विवरण):

S.No.	Property Category (सम्पत्ति श्रेणी)	Property Type (सम्पत्ति का प्रकार)	Description (विवरण)
1	सिक्के और मुद्रा	रुपये	83,21,000रू का दस्तावेजो की कूट रचना कर धोखाधड़ी करना

जेम्स बेक का मोबाइल डिटेल निकल गया तो कई अधिकारी व नेताओं से निकलेंगे संपर्क

जेम्स बेक के संपर्क ऊंचे हैं यह माना जाता है क्योंकि वह हर बार बड़ी से बड़ी मुसीबत से बच निकलता है। एक बार फिर वह अपनी आदतों के कारण कानून की जद में आया है और माना जा रहा है वह फिर बच निकलेगा,वैसे माना यह भी जाता है कि केवल उसके मोबाइल कॉल डिटेल साथ ही हाइपर क्लब की सीसीटीवी फुटेज ही जांच के दायरे में आ जाए कई बड़े अधिकारियों सहित नेताओं से उसके संपर्क सामने आ जाएंगे। अधिकारियों नेताओं से उसके संबंध की पुष्टि के लिए ऐसी मांग हो रही है कि उसके मोबाइल कॉल डिटेल सहित उसके हाइपर क्लब की सीसीटीवी फुटेज जांच के दायरे में आएंगे और सब कुछ साफ नजर में लाया जाए।

कोरिया जिला निवासी सूरजपुर स्वास्थ्य विभाग का बाबू न्यूड पार्टी का मास्टरमाइंड,आरोप

कोरिया जिले का निवासी साथ ही सूरजपुर जिले के स्वास्थ्य विभाग का बाबू जेम्स बैक राजधानी में आयोजित होने जा रहे न्यूड पार्टी का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है,बताया जाता है कि हाइपर क्लब नाम के क्लब का संचालन यह बाबू राजधानी के वीआईपी रोड में करता है जहां यह बड़े बड़े अधिकारियों सहित नेताओं के संपर्क में भी रहता है,यह न्यूड पार्टी आयोजन तय हो चुका था और इसमें एंट्री भी हो चुकी थी शामिल होने वालों की यह बताया जा रहा है,जेम्स बेक वैसे अपने नए नए कारनामों के लिए पहले से विख्यात है और यह मामला उसके साथ जुड़ने से किसी को आश्चर्च नहीं हो रहा है, कोरिया जिले के लोग इसे कहीं से ऐसी घटना मामला नहीं मान रहें हैं जिसको लेकर आश्चर्य व्यक्त किए जाने की आवश्यकता है। जेम्स बेक को लेकर लोगों की राय यही है कि वह ऐसे मामलों से यदि जुड़ता है और वह किसी भी मामले से जुड़ता है यह कहीं से आश्चर्य का विषय नहीं माना जाना चाहिए।

राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण से जेम्स बेक बना गोल्डमैन

जेम्स बेक के गोल्डमैन बनने के पीछे की कहानी बहुत लंबी भी नहीं है,जल्द समय में वह सब कुछ हासिल करता चला गया, इसके लिए उसे राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण की आवश्यकता थी जो उसे मिलता रहा, सरकार किसी की भी रही हों जेम्स बेक का हौसला हमेशा बुलंद रहा और वह अपनी मनमानियां करता रहा,विभाग में भ्रष्टाचार से लेकर न्यूड पार्टियों का मास्टरमाइंड वह ऐसे ही नहीं बना इसके लिए उसे संरक्षण का आभाव कभी नहीं रहा ऐसा बताया जाता है,जेम्स बेक आगे भी जाकर ऐसा नहीं करेगा ऐसा नहीं मानते लोग,लोगों का कहना है जो वह करता आया है वह करेगा ही और वह अपनी कार्यप्रणाली बदलने वाला नहीं।

क्या इस बार स्वास्थ्य विभाग करेगा कड़ी कार्रवाई या फिर हर बार की तरह फिर मिलेगा संरक्षण?

जेम्स बेक स्वास्थ्य विभाग का एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी है,वह अब तक के सेवाकाल में अपनी दोषपूर्ण कार्यप्रणाली के लिए मात्र विख्यात है और जिसके कारण आज वह एक धन्ना सेठ भी बन बैठा है,पहले की उसकी दोषपूर्ण कार्य प्रणालियों को लेकर शिकायतें हुईं और प्राथमिकी भी दर्ज हुई लेकिन ठोस कार्यवाही उसके ऊपर कभी नहीं हुई मामला ठंडे बस्ते में ही डाला गया,एक बार वह पुन: कानूनी कार्यवाही में उलझा हुआ है और शासकीय कर्मचारी होते हुए प्राथमिकी दर्ज होना ही किसी के लिए सेवा शर्तो का उल्लंघन माना जाता है,अब क्या इस बार विभाग स्वास्थ्य विभाग कड़ी कार्यवाही करेगा या उसकी पहुंच और पकड़ के आगे फिर नतमस्तक हो जाएगा और बात आया जाया करके छोड़ देगा। वैसे जेम्स बेक को लेकर स्वास्थ्य विभाग क्यों भयभीत रहता है कार्यवाही के मामले में यह बड़ा सवाल है।

गोंगपा राष्ट्रीय महासचिव ने पार्टी गमछा पहनाकर किया स्वागत

गोंगपा पदाधिकारियों का दावा अभी बहुत से भाजपा नेता करेंगे गोंडवाना प्रवेश

क्या सत्ता में कार्यकर्ताओं की हो रही उपेक्षा?

भाजपा के सत्ता में होने के बावजूद क्या कार्यकर्ताओं का मोह हो रहा भंग?

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में दर्जन भर से अधिक सदस्यों ने भाजपा छोड़ गोंगपा की ली सदस्यता

श्याम सिंह मरकाम ने सुनी समस्या-

श्याम सिंह मरकाम ने कार्यक्रम के दौरान लोगो की समस्याएं सुनी और यथा सम्भव उनके निराकरण का अश्वशन भी दिया। कई समस्याओं के लिए श्याम सिंह मरकाम ने मौके से ही अधिकारियो से फोन पर बात किया। कार्यक्रम के दौरान श्याम सिंह मरकाम नेकार्यकर्ताओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एक अनुशासित संगठित राजनैतिक संगठन के साथ साथ सबसे विशेष बात यह है कि यह देश के शोषित, वंचितों, किसानों, श्रमवीरों, पिछड़ो के हक अधिकार के लिये सदैव तत्पर रहकर संघर्ष करने वाला एकमात्र राजनैतिक संगठन है। भारतीय संविधान की मूल भावनाओं के अनुरूप देश की व्यवस्था संचालित करने की विचारधारा के साथ भ्रष्टाचार मुक्त, रोजगार युक्त, समृद्धशाली समाज की परिकल्पना को लेकर गोंडवाना समग्र विकास क्रांति आंदोलन की राजनैतिक इकाई गोंडवाना गणतंत्र पार्टी संकल्प है क्योंकि पार्टी के संस्थापक गोंडवाना रत्न दादा हीरा सिंह मरकाम जी हमेशा हर वर्ग के उत्थान के लिये संघर्ष करते रहे है।

-रवि सिंह-

कोरिया,16 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के सोनहत ब्लॉक में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न हुआ उक्त कार्यक्रम में सैकड़ों लोग शमिल हुए जिसमें में दर्जन भर से अधिक ऐसे कार्यकर्ता जिन्होंने भाजपा की जीत के लिए पूरा दम लगा दिया था ऐसे सदस्यों ने गोंगपा का दामन थाम लिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं भरतपुर सोनहत विधानसभा प्रत्याशी श्याम सिंह मरकाम ने नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। ईन लोगो के भाजपा छोड़ने से कई प्रकार के सवाल खड़े हो गए हैं साथ ही क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार भी गर्म है क्या भाजपा में सत्ता आने के बाद से कार्यकर्ताओ की उपेक्षा हो रही है? क्या चुने हुए जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओं की पूछ परख नहीं ले रहे? क्या जनप्रतिनिधियों के खास कार्यकर्ता उन्हें पहचान नहीं रहे? कई प्रकार के सवाल और चर्चाओं का बाजार गर्म है लेकिन सूत्रों की माने तो भाजपा के पदाधिकारियों ने सत्ता आने के बाद से खुद की उपेक्षा का आरोप लगाया है, भाजपा कार्यकर्ता नीलेश सोनी बड़े नेताओं के भी खास माने जाते हैं विधानसभा अध्यक्ष प्रभारी मंत्री,सहित उपमुख्यमंत्री के साथ कई कार्यक्रमो की तस्वीर इनके सोशल मीडिया अकाउंट पर देखी जा सकती है जिससे इनके कद का अंदाजा लगाया जा सकता है,लेकिन सूत्र बताते हैं कि स्थानीय स्तर पर नीलेश काफी उपेक्षित महसूस कर रहे थे। निलेश कुमार सोनी बीजेपी में पद (आईटी सेल प्रभारी विधानसभा भरतपुर सोनहत) के पद पर कार्यकर्ता रहने की जानकारी मिली है वही गोंडवाना प्रवेश के बाद नीलेश सोनी को सरगुजा संभाग के आई टी सेल संयोजक बनाया गया है। वही सोनहत के ही राजेश राजवाड़े युवा मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष सोनहत जिन्होंने सोनहत मुख्यालय के पोलिंग में कांग्रेस को मात दिलाने में सबसे ज्यादा सहयोग दिया था इनका भी मोह सत्ताधारी दल से भंग हुआ और इन्होंने गोंगपा की सदस्यता ले ली है। इनके अलावा शाहनवाज आलम (राहुल) एवं पार्टी के विभिन्न पदों पर भोला सिंह, सुखनंदन,सोना सिंह, रवि सिंह,रामेश्वर राजवाड़े, ने गोंगपा की सदस्यता ली,भाजपा के अलावा अन्य लोगो ने भी सदस्यता ली जिसमे हरि गुरुजी मुदस्सिर आलम, गुलबहार अली, मो नसीम,शायदा खातून,तहरुन निशा,भोले गुप्ता सहित काफी संख्या में लोग कार्यक्रम कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित गोंगपा राष्टीय महामंत्री संतोष चंद्राकर,प्रदेश अध्यक्ष इंजी संजय सिंह कमरों,प्रदेश अल्पसंख्यक महासचिव महेंद्र सिंह राणा,जिला महामंत्री बालकिशुन सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष सोनहत संजय प्रताप सिंह,ब्लॉक सचिव जनार्दन गुप्ता,ब्लॉक मीडिया प्रभारी एहसानुल हक,अमन कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में पार्टी के वरिष्ठ एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

सदस्यों ने भाजपा छोड़ गोंगपा की ली सदस्यता

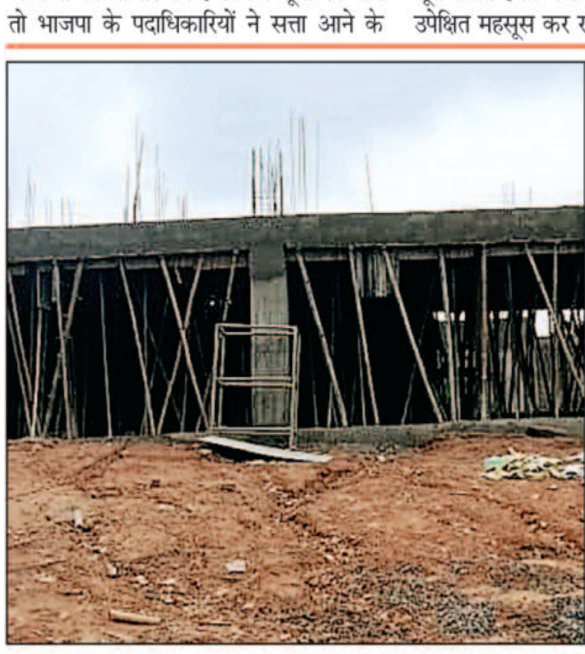

नव निर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण को लेकर हो रहे हैं कई सवाल खड़े

-संवाददाता-

खड़गवां,16 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

खड़गवां की बहुत ही प्रशिक्षित मांग खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जो कैबिनेट मंत्री जी के द्वारा क्षेत्र की मांग को पूरा किया और नवीन भवन की अनुमति प्रदान कर भूमिपूजन कर निर्माण कार्य भी ठेकेदार के माध्यम से शुरू हो गया है इस निर्माण कार्य में सामुदायिक स्वास्थ्य भवन की गुणवत्ता को लेकर मुख्यालय और गांव एवं क्षेत्र के मजदूरों एवं मिस्त्रीओ के द्वारा बताया जा रहा है कि भवन का निर्माण कार्य जिस मापदंडों पर किया जाना है वो तो नहीं किया जा रहा है भवन की मजबूरी पर सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य भवन के डोर लेवल पर डोर बीम की ढलाई की गई है उस कांक्रीट की ढलाई में छड़ का उपयोग नहीं किया गया है। भवन के डोर लेवल की ढलाई में जहां पर गेट खिड़की है सिर्फ वहां पर छड़ का उपयोग किया गया है जबकि डोर बीम में पूरे भवन की दीवार में छड़ लगाकर ढलाई किया जाना होता है? स्थानीय मजदूरों एवं मिस्त्रीओ के द्वारा सामाजिक भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता का विरोध किया जाता है तो उन्हें काम से हटा दिया जाता है। जिससे भवन की गुणवत्ता में पूर्ण रूप से भ्रष्टाचार किया जा सके। स्थानीय मिस्त्रीओ एवं मजदूरों को काम में नहीं रखा जा रहा है। जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य भवन क्षेत्र में काम चल रहा है और मजदूरों एवं मिस्त्रीओ को ठेकेदार काम पर नहीं रख रहा है। जिससे क्षेत्र में बेरोज़गारी बढ रही है। स्थानीय मिस्त्री एवं मजदूरों के द्वारा स्पष्ट जानकारी दी है कि भवन में ईंट की जोड़ाई का मसाला 32 तगाड़ी रेता और एक बोरी सीमेंट से भवन की ईंट जोड़ाई का कार्य किया जा रहा है। विभागीय अधिकारी देते हैं गोलमोल जवाब इनके जवाब से ऐसा लगता है कि ये ठेकेदार के लाभ के लिए शासन का कार्य कर रहे हैं?

प्राचार्य पदोन्नति हेतु पात्र रहे सेवानिवृत्त प्रधान पाठकों तथा व्याख्याताओं को काल्पनिक पदोन्नति आदेश जारी किया जायेःराजेंद्र सिंह

-संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,16 सितंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन ने शिक्षा सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेसी को प्राचार्य पदोन्नति हेतु पात्र रहे सेवानिवृत्त प्रधानपाठकों तथा व्याख्याताओं को काल्पनिक पदोन्नति देने ई-मेल किया है। प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं उप प्रांताध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ राजपत्र 5 मार्च 2019 द्वारा एजुकेशन एवं ट्राइबल के शिक्षक संवर्गों के लिये समेकित भर्ती-पदोन्नति नियम बनाया गया था। प्राचार्य पद पर पदोन्नति हेतु मार्च/अप्रैल 2025 में छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में पात्र व्याख्याताओं एवं प्रधानपाठकों के पदोन्नति हेतु विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक (डी.पी.सी) हुआ था। लेकिन विभागीय प्रक्रिया में व्यवधान के फलस्वरूप 30/4/25 को टी-संवर्ग में 1335 तथा ई-संवर्ग में 1478 प्राचार्य पदोन्नति आदेश जारी हुआ था। लेकिन टी-संवर्ग अंतर्गत जारी पदस्थापन आदेश दिनांक 29/8/25 को जारी हुआ था। जिसमें 30/4/25 से 31/7/25 तक टी-संवर्ग के सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं प्रधान पाठकों के नाम पदस्थापना आदेश से हटा दिया गया था। जबकि विभाग के द्वारा टी संवर्ग में प्राचार्य पदोन्नति हेतु पात्र रहे सेवानिवृत्त व्याख्याता एवं प्रधान पाठकों को प्राचार्य पद पर काल्पनिक पदोन्नति कार्य नहीं वेतन नहीं के सिद्धांत के आधार पर काल्पनिक पदोन्नति आदेश जारी करना था।जोकि ई-संवर्ग में प्राचार्य पदोन्नति आदेश तिथि एवं पदस्थापना आदेश तिथि तक में भी लागू होगा। उन्होंने बताया कि मंत्रालय स्कूल शिक्षा विभाग के आदेश 6/10/18 के द्वारा 171 व्याख्याताओं/प्रधानपाठकों (माध्यमिक शाला स्नातकोत्तर) को 15600-39100 ग्रेड पे 5400 (वेतन मैट्रिक लेवल-12) में काल्पनिक पदोन्नति *कार्य नहीं-वेतन नहीं* के सिद्धांत पर किया गया था। नेशनल पे फिक्सेशन होने से संबंधितों को पेंशन एवं ग्रेच्युटी में आर्थिक लाभ मिला था। प्राचार्य पद का वास्तविक लाभ भले ही नहीं मिला हो लेकिन सेवानिवृत्त प्राचार्य का पदनाम मिला था। फेडरेशन ने सेवानिवृत्ति के कारण प्राचार्य पदोन्नति से वंचित हुए पात्र व्याख्याता एवं प्रधान पाठकों को कार्य नहीं वेतन नहीं सिद्धांत के अंतर्गत काल्पनिक पदोन्नति देने का माँग शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव से किया है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आबिद हुसैन पिता मोहम्मद रज्जाक जाति मुसलमान निवासी नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 353/38 रकबा 0.012 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। जि

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 03/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जाहेदा मोमिन पत्नी सलाम मोमिन जाति मुसलमान निवासी बरवाही तहसील रामानुजंगज जिला बलरामपुर (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 353/29 रकबा 0.053 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 3/10/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर,दिनॉक दिनाँक 03/12/2024

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम- टपरकेलाखुर्द
तहसील - लखनपुर

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका सुरेश सिंह आ0 घासी राम निवासी ग्राम टपरकेलाखुर्द तहसील लखनपुर के द्वारा अपने पति स्व0 कविता सिंह कि मृत्यु दिनांक 27/03/2020 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म-मृत्यु रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत् मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनाँक 30/09/ 25 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 30/09/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

सील — तहसीलदार लखनपुर,सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

राजस्व प्र0क्र0......./...../ ब-121/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम गंगापुर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका मंजु प्रजापति पति स्व0 दिकपाल उम्र 36 वर्ष जाति कुम्हार निवासी ग्राम गंगापुर, तहसील लुण्ड्रा, जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने पति स्व. दिकपाल का मृत्यु दिनांक 15/05/2004 का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, स्वंय का शपथपत्र, आवेदन पत्र संलग्न किया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। उक्त कार्यवाही से किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो वह अपना आक्षेप स्वंम या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 21/09/2025 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 09/09/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार उप तहसील,रघुनाथपुर

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील- भटगांव,सूरजपुर

ईश्तहार

राजस्व प्र0क्र0..ब-121/24-25

आम जनता ग्राम बतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक लमरू राम आ0 सनिसाय जाति रजवार निवासी ग्राम बतरा तहसील भटगांव जिला सूरजपुर द्वारा अपने भतिजा रोहित कुमार का मृत्यु दिनांक 17/10/2010 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने भतिजा का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुपलब्धतां प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमे कार्यवाही प्रारंभ कर दी गयी है।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक. 21/03/25 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जायेगा एवं तद्नुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 06/03/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगॉव,जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

राजस्व प्र0क्र0../ /2024-25

एतद द्वारा ग्राम तुरना के आम नागरिक को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण गुलाबी आ स्व मोहन व 07 अन्य सभी निवासी ग्राम तुरना एवं शौकत अली आ0 असगर अली निवासी बाग बेलखरिखा तहसील लखनपुर जिला सरगुजा के द्वारा प्रस्तुत आवेदन अनुसार गुलाबी, सोनगेत, समुद्री अमरदेव आ मोहन द्वारा अपने शामिल खाते की ग्राम तुरना स्थित भूमि खसरा नं.- 389/2 रकबा 0.101 हे0 भूमि में से 150 डिसमिल हिरोबाई आ. संतदास द्वारा अपने स्वत्व की गाम तुरना स्थित भूमि ख0 नं0 407/4 रकबा 0.039 हे0 भूमि में से लगभग 09 डिसमिल भूमि रघुनाथ आ अमरसाय के स्वत्व की भूमि ख0नं0 406/2 रकबा 0.105 हे भूमि में से 10 डिसमिल भूमि तथा शौकत अली आ असगर अली के स्वत्व की भूमि ख0नं0 407/1 रकबा 0.040 हे भूमि में से 02 डिसमिल भूमि को ग्राम पचायत के प्रचलित आम रास्ता सड़क के नाम पर शासन के पक्ष में त्यजन करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है जिस संबंध में मामला न्यायालय में विचाराधिन है।

इस सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो अपना दावा न्यायालय में पर विचार नारी किया जावेगा। दिर्नाक 25/09/2025 तक प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद किसी प्रकार की दावा आपति पर विचार नहीं किया जावेगा।

दिनांक 11/09/2025 को मेरे अस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया।

सील — तहसीलदार लखनपुर,सरगुजा

पटना नगर पंचायत सीएमओ भाग रहे हैं

कभी कलेक्टर के जांच से तो कभी सामान्य सभा की बैठक से

आखिर सीएमओ का कार्यालय से भागने की वजह क्या है क्या बहुत बड़ा घोटाला करके बैठे हैं?

क्या सीएमओ के पास ना कोई जवाब है और ना ही खर्च किए गए पैसे का हिसाब?

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,16 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

कोरिया जिले में एक ऐसे अधिकारी को लेकर काफी कुछ सुनने देखने को मिल रहा है जिसे इंसानों से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है जहां प्रतिदिन उसे इंसानी समुदाय के बीच रहना है उनके दुःख-सुख आवश्यकताओं को सुन समझकर निर्णय लेना है लेकिन वह इंसानों से ही भाग रहा है और कुछ चापलूसों और जी हुजूरी वाले लोगों को छोड़कर वह किसी और से न मिलना पसंद करता है न ही वह किसी की सहायता सहूलियत के लिए काम कर रहा है,यह अधिकारी ऐसा है जिससे अब जिले की जिलाधीश भी हार मान चुकी हैं और उनके निर्देश भी मानना यह आवश्यक नहीं समझता उनके निर्देशों में भी पलायन को यह सही रास्ता मानता है,थक हारकर सब कुछ जानकर कलेक्टर ने अधिकारी को इंसानी जिम्मेदारी से मुक्त करने का भी प्रयास किया था लेकिन ऊंची पकड़ पहुंच वाला यह अधिकारी कलेक्टर के आदेश को भी अमान्य करा ले गया और लगातार वह पद पर बना हुआ है लगातार वह इंसानी समुदाय के लिए परेशानी बन रहा है।

यह सुर्खियां कोई और नहीं नवगठित नगर पंचायत पटना का मुख्य नगर पालिका अधिकारी बटोर रहा है और वह नवगठित नगर पंचायत को एक निराश,निराश और संवेदनहीन नगर बनाने में लगा है, सिकंदर सिदार नाम के उक्त अधिकारी को नव गठित नगर पंचायत का जिम्मा यह सोचकर प्रदान किया गया था कि वह नगर के नव गठित नगर के विकास को नया आयाम देंगे लेकिन स्थिति यह है कि एक तरफ नगर के निर्वाचित जनप्रतिनिधि उनसे परेशान हैं वहीं नगर की जनता से वह इतने दूर हैं कि वह उनसे मिलने की भी सोच नहीं सकते,एक दो चापलूसों के साथ नगर को नव गठित नगर को केवल और केवल आर्थिक रूप से अपने लिए सिकंदर सिदार धनार्जन उद्देश्य से उपयोग कर रहे हैं जहां आय व्यय की जानकारी वह साझा भी नहीं करना चाहते न ही वह नियमानुसार पीआईसी से अनुमोदन लेना चाहते हैं,एक तरफ विपक्ष जहां नगर की अव्यवस्थाओं

को लेकर आंदोलन कर रहा है दूसरी तरफ नगर को एक नगर विकास के लिए प्राप्त राशि को सिकन्दर सिदार अपने हित उद्देश्यों की पूर्ति लिए खर्च कर रहा है। अधिकारी के मनमाने और स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली को लेकर जहां निर्वाचित जनप्रतिनिधि परेशान हैं वहीं अधिकारी की मनमानी ऐसी है कि वह निर्वाचित जनप्रतिनिधियों सहित पीआईसी को भी महत्व नहीं देते हैं और बैठक खुद बुलाकर भाग जाते हैं,बताया जा रहा है कि बकायदा निंदा भी पीआईसी बैठक की हुई लेकिन सिकंदर सिदार पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि वह पहुंच पकड़ से पद पर है उसे हटाना नामुमकिन है उसका लोगों से ही कहना है खासकर अपने चापलूसों से। अधिकारी की मनमानी और स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि जब 15 सितम्बर को अध्यक्ष द्वारा सामान्य सभा की बैठक बुलाई गई एक दिन पूर्व सभी निर्वाचित सदस्यों को साथ ही अधिकारी को सूचना दी गई फिर भी सिकंदर सिदार नहीं पहुंचा बैठक में वह नगर में रहते हुए बैठक का बहिष्कार कर गया। वैसे इस तरह की स्वेक्षाचारिता क्षमा योग्य नहीं होनी चाहिए निर्वाचित

जनप्रतिनिधियों का यह अपमान जनता का अपमान है नगर की लेकिन ऐसा क्या अधिकारी को आश्वासन मिला हुआ है की वह लगातार जनता और जनप्रतिनिधियों का अनादर कर रहा है और पद पर बना हुआ है। बताया जा रहा है कि अध्यक्ष काफी निराश हैं और वह पूरे मामले में केवल इसलिए शांति से धैर्य कायम किए हुए हैं क्योंकि सत्ताधारी दल का होने के कारण वह किसी आंदोलन या धरना का विचार मन में लाएं यह अनुचित होगा और इसका गलत संदेश भी जाएगा वरना नगर अध्यक्ष की तेज तर्रार छवि से लोग अवगत हैं ऐसा बताया जाता है और लोगों का मानना है कि वह एक दिन में ऐसे अधिकारी को नियम कायदों से उसकी हद समझा सकती हैं जिससे उनके पास स्वयं सहित पारिवारिक 15 वर्षों का इतिहास है।

पहले खुद पीआईसी बैठक बुलाकर नदारद रहा अधिकारी,अब अध्यक्ष की बुलाई सामान्य सभा से भी नदारद रहा सिकंदर सिदार

मुख्य नगर पालिका अधिकारी की स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह खुद पीआईसी की बैठक बुलाता है और बैठक में आए जनप्रतिनिधियों को छोड़कर बैठक से भाग जाता है,पीआईसी नगर पंचायत की वह समिति होती है जो नगर विकास के निर्णय लेती है एक तरह से यह नगर पंचायत का मंत्रिमंडल होता है,मंत्रिमंडल की बैठक से अधिकारी बिना बताए चला जाए और फिर न आए ऐसा किया जाना जनप्रतिनिधियों का भी अनादर है साथ ही यह नगर की उस जनता का अनादर है जिस जनता ने अपना प्रतिनिधि सम्मान से चुनकर अपने साथ ही नगर विकास के लिए भेजा है। बताया जाता है कि सिकन्दर सिदार यह व्यवहार जानबूझकर करता है और ऐसा वह अपमानित करने के हिसाब से करता है और इसे वह अपने चापलूसों के साथ उत्साह से साझा भी करता है।

पदस्थ होने से लेकर अब तक करोड़ों रूपये का वारा न्यारा कर चुका है सिकंदर सिदार,पीआईसी का अनुमोदन भी नहीं उसके पास

बताया जाता है कि सिकन्दर सिदार जबसे मुख्य नगर पालिका अधिकारी पटना बना है तबसे वह करोड़ों रुपए नगर विकास मद सहित अन्य मद से निकाल चुका है,उसके द्वारा पीआईसी का अनुमोदन भी प्राप्त नहीं किया गया है,बताया जाता है कि उसने जिस तरह आहरण किए हैं वह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार है और वह विभिन्न फर्मों से सेटिंग करके पैसा निकालता है और अपने निजी खर्च और बचत में उपयोग करता है। माना जा रहा है कि अब तक के जितने भी आहरण हैं वह बड़ा भ्रष्टाचार साबित हो सकते हैं और वह इसलिए भी लगातार भाग रहा है छिप रहा है। जिन फर्मों के नाम से आहरण किया जाता है उसमें पटना से लेकर बलरामपुर तक के फर्म शामिल हैं जहां का वह निवासी है,अब समझा जा सकता है कि आखिर बलरामपुर से वह क्या ऐसा मंगवा रहा है जिसकी उपलब्धता कोरिया सरगुजा में नहीं है,यह सीधा भ्रष्टचार है।

भाजपा की नगर सरकार फिर भी अध्यक्ष उपाध्यक्ष अपमानित तिरस्कृत एक अधिकारी से

यह एक विडंबना है कि सुशासन वाली सरकार नव गठित नगर पंचायत पटना में भ्रष्ट अधिकारी के भरोसे सुशासन स्थापित करना चाह रही है,सिकंदर सिदार ऐसा अधिकारी है जिसने सुशासन तिहार शिविर आयोजन में भी लम्बा चौड़ा भ्रष्टाचार किया है और सुशासन को ही धता बताने का काम किया है,टेंट पंडाल सहित अन्य खर्चों की यदि बानगी देखी जाए तो सिकंदर सिदार ऐसे ऐसे खर्चों के साथ भ्रष्टाचार कर चुका है कि जिसे यदि देखा जाए यदि सार्वजनिक किया जाए नगर की जनता ही आक्रोशित हो जाएगी की बिना निर्वाचित नगर के जनप्रतिनिधियों की जानकारी के उसने नगर विकास के पैसे को स्व विकास में लगा दिया है। पूरा आहरण और खर्च केवल अपनी जेब भरने के लिए उसने किया है यह आसानी से हिसाब किताब देखकर समझा जा सकता है।

कभी भी हो सकता है आंदोलन,कभी भी स्थिति हो सकती है बेकाबू

सिकंदर सिदार की मनमानी उसकी स्वेच्छाचारिता पूर्ण कार्यप्रणाली साथ ही नगर विकास के पैसे से ऐशो आराम का उसका तरीका निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को रास नहीं आ रहा है,उसने नगर विकास के पैसे को केवल जेब में डाला है यह अंदर खाने चर्चा है,वैसे अब स्थिति नगर पंचायत की ऐसी है कि कभी भी आंदोलन या बड़ा विद्रोह संभव है और अधिकारी के खिलाफ यह आक्रोश कभी भी विपरीत स्थिति उत्पन्न नगर पंचायत में खड़ी कर सकती है।

मनेंद्रगढ़ में उद्योग-बैंकर्स संवाद कार्यशाला सम्पन्न,जिले के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने का संकल्प

मनेंद्रगढ़ में भव्य उद्योग बैंकर्स संवाद,नए उद्योग और निवेश की राह खुली

जिले के औद्योगिक विकास को मिली नई गति,मंत्री देवांगन ने की बड़ी घोषणाएँ

उद्योग बैंकर्स संवाद कार्यशाला में सीधे संवाद से उद्यमियों की समस्याओं का समाधान

मनेंद्रगढ़ बनेगा औद्योगिक हब,ई-वे बिल की सीमा 1 लाख तक बढ़ी

महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों को मिला सशक्तिकरण का अवसर

औद्योगिक नीति और बैंकों की योजनाओं पर फोकस

कार्यशाला में छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयों, महिला उद्यमियों, स्व-सहायता समूहों और कारीगरों को बैंक ऋ ण,सरकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

उद्यमियों को ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी

सेंट्रल बैंक के रीजनल मैनेजर रणधीर सिंह और पंजाब नेशनल बैंक के एजीएम आलोक कुमार ने उद्यमियों को ऋण योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मुद्रा लोन की सीमा अब 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है।

ऋण प्राप्ति को आसान बनाना

उद्योग विभाग के संयुक्त संचालक ऋतुराज ताम्रकार ने बताया कि विश्व बैंक समर्थित रैंप योजना का उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र को कोविड-19 संकट से उबारना और उन्हें मजबूत बनाना है। इसके तहत ऋण प्राप्ति को आसान बनाना, बाजार तक पहुँच बढ़ाना, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और महिला सहभागिता को बढ़ावा देना प्रमुख लक्ष्य हैं।

-संवाददाता-
एमसीबी/मनेंद्रगढ़,16 सितंबर 2025
(घटती-घटना)।

जिले में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सोमवार को विमल श्री टॉकीज, मनेंद्रगढ़ में उद्योग-बैंकर्स संवाद कार्यशाला का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र तथा छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री,जिला एमसीबी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के वाणिज्य, उद्योग,श्रम एवं आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन और विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित रहे। चिरमिरी महापौर रामनरेश राय और जिला अध्यक्ष चंपा देवी पावले भी मंचासीन रहीं।

आर्थिक परिवर्तन की शुरुआत

समापन सत्र में अधिकारियों ने कहा कि यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि जिले के आर्थिक परिवर्तन की शुरुआत है। इस कार्यशाला से उद्यमियों और बैंकरों के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ है, जो भविष्य में निवेश,ऋण प्राप्ति और व्यवसाय विस्तार में मददगार साबित होगा। सभी प्रतिभागियों ने इसे जिले में उद्योग-व्यापार के नए युग की सार्थक और ऐतिहासिक शुरुआत बताया।

सीधे संवाद से उद्यमियों की शंकाओं का समाधान

कार्यशाला की सबसे बड़ी विशेषता रही कि उद्यमियों को सीधे बैंकरों से संवाद का अवसर मिला। महिला उद्यमियों और स्व-सहायता समूहों के लिए अलग सत्र रखा गया, जिसमें वित्तीय सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता पर विशेष चर्चा हुई। एसईसीएल हसदेव क्षेत्र के एपी सिंह ने कहा कि चेम्बर ऑफ कॉमर्स को स्थानीय रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। छोटे-छोटे वेंडर्स तैयार कर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा नौकर मत बनिए, मालिक बनिए।

मंत्री देवांगन की घोषणाएँ...

मुख्य अतिथि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित राष्ट बनेगा और छत्तीसगढ़ इस परिवर्तन की अग्रिम पंक्ति में खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में तैयार की गई नई औद्योगिक नीति से राज्य में निवेश के अवसर बढ़े हैं। जापान और कोरिया में आयोजित इन्वेस्टर्स समिट से सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। मंत्री ने बताया कि अब तक राज्य में 32 हजार युवाओं को रोजगार प्रदान किया गया है और निवेशकों की संख्या 6.65 लाख से बढ़कर 7.50 लाख हो गई है। उन्होंने घोषणा की कि आने वाले समय में केल्हारी, भरतपुर, चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ में नए उद्योग स्थापित किए जाएंगे। छोटे व्यापारियों को राहत देते हुए उन्होंने कहा कि ई-वे बिल की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दी गई है। साथ ही उन्होंने चेंबर ऑफ कॉमर्स की मांगों को तत्काल मानते हुए चैनपुर इंडस्ट्रीज एरिया का संधारण, डीसीआई भवन का निर्माण, केल्हारी में 37 एकड़ में इंडस्ट्री एस्टेट और परसगढ़ी इंड्रस्ट्रीज एरिया का विकास कराने की घोषणा की।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताई संभावनाएँ

विशिष्ट अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि जिले की प्राकृतिक और सांस्कृतिक सुंदरता इसे औद्योगिक और स्वास्थ्य निवेश के लिए उपयुक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट हॉस्पिटल्स को भी औद्योगिक नीति में शामिल किया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और योजनाओं का लाभ

विशेषज्ञों ने प्रवेश मूल्य निर्धारण और प्रीमियम मूल्य निर्धारण की अवधारणा समझाई। वहीं सीए अरिहंत जैन ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि सामान्य तथा विशेष श्रेणियों के लिए शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग सब्सिडी का प्रावधान है। कार्यशाला में बड़ी संख्या में उद्यमियों, कारीगरों और स्व-सहायता समूहों ने भाग लिया। इस अवसर पर पात्र उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं के तहत ऋण भी स्वीकृत किए गए। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत उप श्याम ट्रेडर्स को 6 लाख, न्येन कलेक्शन को 10 लाख, सूरज फर्निचर मार्ट को 9 लाख, वकील फर्नीचर मार्ट को 10 लाख, विनायक इंटरप्राइजेज को 5 लाख और नियाकत अली को 5 लाख रुपये। कार्यशील पूंजी ऋण योजना ङ्क सुरजीत वुड्स प्रोडक्ट्स को 35 लाख रुपये। सीसीजीसीसी योजना ङ्क शंकर कश्यप को 60 हजार रुपये। पीएमएफएमई योजना ङ्क कल्पना को 4 लाख, सीता बाई को 9 लाख, दीपा केवट को 4 लाख और परसराम यादव को 4 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया।

कोरिया जिले के तीसरे कलेक्टर रह चुके विकासशील गुप्ता हो सकते हैं छत्तीसगढ़ के 12 वें मुख्य सचिव

विकासशील कोरिया के तीसरे व छत्तीसगढ़ के पहले कलेक्टर रहे,कार्यकाल 3 साल का रहा

-रवि सिंह-

रायपुर/कोरिया, 16 सितम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ सरकार में नए मुख्य सचिव की एंट्री तय मानी जा रही है,छत्तीसगढ़ सरकार के 12 वें मुख्य सचिव की जिम्मेदारी कभी भी आईएएस विकासशील गुप्ता को दी जा सकती है और इसकी प्रारंभिक तैयारियों के पूर्ण कर लिए जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है, विकासशील गुप्ता 1994 बैच के आईएएस हैं और वह मध्यप्रदेश कैडर के आईएएस हैं और वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद वह छत्तीसगढ़ में अपनी सेवा प्रदान करने लगे, विकासशील गुप्ता छत्तीसगढ़ में कई जिलों के कलेक्टर रहे और जिसमे कोरिया,बिलासपुर और रायपुर में उन्होंने कलेक्टर बतौर सेवाएं प्रदान की,कोरिया जिले में उनका कार्यकाल सबसे लंबा रहा तीन वर्षों तक जिले के कलेक्टर रहे विकासशील गुप्ता की ही देखरेख और निगरानी में जिला संयुक्त कार्यालय का निर्माण, नए कलेक्टर आवास पुलिस अधीक्षक आवास का निर्माण झुमका क्षेत्र में किया गया ऐसा बताया जाता है,बड़े ही सौम्य और व्यवहारकुशल उन्हें कोरिया जिले के कलेक्टर रहते हुए माना जाता था और उन्होंने आम लोगों से मिलने जुलने में कभी पदीय महत्व को आड़े नहीं आने दिया था ऐसा बताया जाता है,उस समय के कुछ छात्र नेताओं के अनुसार वह छात्रों को भी शिक्षा के महत्व के साथ छात्र राजनीति की सीख दिया करते थे और शासकीय शिक्षा व्यवस्था को लेकर वह हमेशा सकारात्मक नजर आते थे। विकासशील गुप्ता उत्तर प्रदेश के निवासी थे बाद में वह उत्तराखंड में रहने लगे ऐसी उनकी पारिवारिक जानकारियां सामने हैं और वह आईएएस बनकर मध्यप्रदेश कैडर में शामिल हुए और सेवाएं प्रदान करनी आरंभ की, वर्तमान में वह मनीला स्थित एशियाई विकास बैंक से कार्यमुक्त होकर भारत लौट रहे हैं वहीं इसी हफ्ते सेंट्रल डेप्युटेशन से रिलीव होकर वे छत्तीसगढ़ आ जाएंगे,वह पांच आईएएस अधिकारियों को पछाड़कर मुख्य सचिव बनने जा रहे हैं जो सरकार की तैयारी बताई जा रही है,मुख्य सचिव की दौड़ में 1991 बैच की आईएएस रेणु पिल्ले,1992 बैच के आईएएस सुब्रत साहू 1993 बैच के आईएएस अमित अग्रवाल भी शामिल हैं लेकिन माना जा रहा है कि मुख्य सचिव पद पर विकासशील गुप्ता को ही मौका मिलेगा जिसकी केवल घोषणा बाकी है। वैसे 1994 बैच की वरीयता में आईएएस ऋचा शर्मा वरिष्ठ हैं तत्पश्चात निधि छिब्बर का नाम आता है जो विकासशील गुप्ता की पत्नी हैं लेकिन मुख्य सचिव के लिए पहली पसंद सरकार की विकासलील गुप्ता हैं यह बताया जा रहा है।

विकासशील कोरिया के तीसरे व छत्तीसगढ़ के पहले कलेक्टर रहे, कार्यकाल 3 साल का रहा : कलेक्टर विकासशील मध्य प्रदेश विभाजन के बाद छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के पहले कलेक्टर के रूप में जिले की जिम्मेदारी निभाने पहुंचे और कोरिया जिले के तीसरे कलेक्टर के रूप में कार्य करते हुए उनका कार्यकाल 3 साल का रहा, उन्होंने 3 जनवरी 2001 को कोरिया कलेक्टर के पद पर पदभार ग्रहण किया 17 दिसंबर 2003 को इनका तबादला हुआ और कोरिया का प्रभार छोड़कर यह अन्यत्र स्थानांतरित होकर चले गए, पूरे 3 साल कांग्रेस की सरकार रही और पूरे 3 साल विकासशील कोरिया के कलेक्टर बने रहे कोरिया जिले के गठन के बाद से सबसे लंबा कार्यकाल विकासशील का ही रहा। कलेक्टरों में से सबसे लंबा कार्यकाल भी उनका जिले में रहा और नवीन जिले के लिए विकास की संभावनाओं सहित जिले को बेहतर रूप देने की भी जिम्मेदारी उन्हीं के जिम्मे आई उनके कार्यकाल के दौरान। अपने तीन वर्षों के लंबे कार्यकाल के दौरान कलेक्टर विकासशील ने नए प्रदेश के नए जिले का विकास पूरे मनोयोग से किया इन्हीं के कार्यकाल में कोरिया कलेक्टर संयुक्त कार्यालय बना और इन्हीं के कार्यकाल में उसका उद्घाटन भी किया गया। विकासशील जैसा नाम था वैसा ही उनका कार्यकाल भी रहा उनके ही कार्यकाल में जिले के विकास को नया आयाम मिला, इसी वजह से जिलेवासी आज भी कलेक्टर विकासशील को याद करते हैं उनके कार्यकाल में कोरिया जिला पूरी तरह अस्तित्व में आ गया था। विकासशील के ही कार्यकाल में झुमका बांध के तट से लगकर जिले के अधिकारियों का बंगला बना और उन्ही के कार्यकाल में अन्य शासकीय कर्मचारियों के आवास भी बने।

तीसरी बार कोई आईएएस वरिष्ठ आईएएस को पछाड़कर मुख्य सचिव पद पर पदभार ग्रहण करेगा

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्षों में अब तक तीन बार मुख्य सचिव पद पर ऐसे आईएएस पदभार ग्रहण कर चुके हैं जो तब के मुख्य सचिव की दौड़ में शामिल आईएएस अधिकारियों से कनिष्ठ थे,विकासशील गुप्ता यदि मुख्य सचिव बनाए जाते हैं तो यह ऐसा तीसरी बार होगा जब कोई कनिष्ठ मुख्य सचिव पद पर कार्यभार ग्रहण करेगा,वर्ष 2007 में पहली बार ऐसा हुआ था जब तीन वरिष्ठ आईएएस अफसरों को पछाड़कर शिवराज सिंह मुख्य सचिव बने थे,वर्ष 2011 में आईएएस नारायण सिंह को पछाड़ते हुए सुनील सिंह मुख्य सचिव बन सके थे।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन के एक्सटेंशन की समाप्ति,नए मुख्य सचिव की ताजपोशी तय

मुख्य सचिव अमिताभ जैन का एक्सटेंशन 30 सितम्बर को समाप्त हो रहा है,यह तीन महीने का एक्सटेंशन था जिसे अब सरकार नहीं बढ़ाएगी यह तय माना जा रहा है, इस बीच सरकार नए मुख्य सचिव को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण कर लेना चाहती है और यही कारण है कि विकासशील गुप्ता फिलीपींस की राजधानी मनीला स्थित एशियाई बैंक के डेप्युटेशन से लौट रहे हैं बताया जा रहा है वहां उनकी विदाई भी की जा चुकी है और वह दिल्ली कभी भी आ सकते हैं। उनके वापसी उपरांत उनकी नए मुख्य सचिव के रूप में ताजपोशी होगी और वह 12 वें मुख्य सचिव होंगे छत्तीसगढ़ सरकार के यह निश्चित किया जा चुका है सरकार की तरफ से।

जेल में बंद अफसरों को राहत नहीं हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

बिलासपुर, 16 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में रीएजेंट घोटाले में संलिप्त अफसरों की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी गई। वही इस मामले में मुख्य सूत्रधार और मोक्षित कार्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा की नियमित जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट से आठ सितंबर को खारिज हो चुकी है। सुनवाई में सीजी एमएससी के डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर अनिल परसाई और असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर बसंत कौशिक की जमानत याचिका को खारिज की गई है। हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की सिंगल बेंच में मामले की सुनवाई हुई। छत्तीसगढ़ में मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा किए गए रीएजेंट घोटाले में संचालक शशांक चोपड़ा सहित 6 आरोपी जेल में है। रीएजेंट घोटाले की ईडी के अलावा एसीबी और ईओडब्ल्यू भी जांच कर रही है। यह पूरा घोटाला 750 करोड़ रुपये का माना गया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ विवेचना पूरी कर चालान पेश हो चुका है, जबकि अन्य आरोपियों के खिलाफ विवेचना जारी है। गिरफ्तारी के बाद नियमित जमानत के लिए मोक्षित कार्पोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा सहित सीजीएमएससी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने याचिका लगाई थी। मोक्षित कारपोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा की नियमित जमानत याचिका हाईकोर्ट से खारिज होने के बाद उसने सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए याचिका लगाई थी।

दर्दनाक हादसा : करंट की चपेट में आने से मां-बेटे और पिता की मौत,गांव में पसरा सन्नाटा

राजनांदगांव, 16 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले से एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। खैरी पांगरी गांव में सोमवार देर रात करंट की चपेट में आने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पिता, मां और बेटा शामिल हैं। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है और हर किसी की आंखें नम हैं। घटना की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी गणेश यादव ने बताया कि मृतक परिवार गोंड आदिवासी समुदाय से है। परिवार के मुखिया सुरताराम बोगा (62) रात के समय अपनी बाड़ी में गया हुआ था। अंधेरा होने के कारण वह घर में बिजली का स्विच ऑन करने लगे। इसी दौरान करंट प्रवाहित हो गया और सुरताराम उसकी चपेट में आ गए। सुरताराम को बचाने के लिए उनका बेटा दौड़ा,लेकिन वह भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों को तड़पता देख मां भी उन्हें बचाने के लिए दौड़ी, लेकिन करंट के झटके से वह भी वहीं गिर पड़ी। घटना इतनी तेजी से हुई कि किसी को कुछ समझने का मौका नहीं मिला। तीनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

राज्य स्तरीय खेलों से सीबीएसई स्टूडेंट्स की एंट्री पर रोक,हाई कोर्ट ने चार हफ्ते में सीबीएसई और एसजीएफआई से मांगा जवाब

बिलासपुर, 16 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं से सीबीएसई छात्रों को बाहर करने के फैसले पर कड़ा रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बी.डी. गुरु की डिवीजन बेंच ने सीबीएसई और स्कूल गेम्स फेडरेशन आफ इंडिया से चार सप्ताह में जवाब तलब किया है। याचिका एक छात्रा द्वारा दायर की गई थी,जिसे गंभीर मानते हुए हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान भी लिया है। दरअसल, यह मामला उस समय गरमाया जब हाल ही में राज्य सरकार ने आदेश जारी कर दिया कि सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के विद्यार्थी ब्लॉक,जिला और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इस निर्णय से प्रदेश के करीब 600 स्कूलों के 4 लाख से अधिक छात्रों पर सीधा असर पड़ा है। शैक्षणिक सत्र 2023-24 में भी ऐसा ही आदेश आया था, जिसे प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के विरोध के बाद शिक्षा विभाग ने वापस ले लिया था। लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से दाखिल नोटिफिकेशन में कहा गया कि सीबीएसई का अलग इंफ्रास्ट्रक्चर है, इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया जा सकता। वहीं,शासन के अधिवक्ता ने दलील दी कि जैसे राज्य मंडल के बच्चों को सीबीएसई की प्रतियोगिताओं में शामिल नहीं किया जाता,वैसे ही प्रदेश स्तरीय शालेय खेल में केवल राज्य बोर्ड के छात्र ही भाग ले सकते हैं।

वोट चोर-गद्दी छोड़ सभा...जिंदा लोगों को मृत बताया,चंद लोगों को फायदा पहुंचाने पेड़ों को काटा : सचिन पायलट

रायगढ़, 16 सितम्बर 2025। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट रायगढ़ में 'वोट चोर गद्दी छोड़' सभा में शामिल हुए हैं। पायलट ने कहा कि चुनाव आयोग ने एक ही घर में 100-150 वोटर्स को डाला। जिंदा लोगों को मृत बताया। जब डेटा मांगा गया तो चुनाव आयोग देने से इनकार कर दिया। वोट की चोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पायलट ने कहा कि पूरा विपक्ष और देश के लोग समझ चुके हैं। छत्तीसगढ़ में जिस दिन कांग्रेस पार्टी को बहुमत नहीं आया। भाजपा सरकार ने शपथ नहीं ली, उससे पहले चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए पेड़ काटने शुरू कर दिए। जंगल की चोरी की,देश की संपत्ति की चोरी की, लेकिन वोट चोरी बर्दाश्त नहीं करेंगे, इसलिए कांग्रेस ने ये अभियान चलाया है। इस दौरान दीपक बैज ने कहा कि देश में वोट चोरों की सरकार चल रही है। भाजपा की सरकार जल,जंगल और जमीन बेचने का काम कर रही है। तमनार में पेड़ काट रहे हैं। बिजली बिल पहले 800 आता था, अब 1800 हो गया है। जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी। वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे भी लगवाए। वहीं कोरबा में भी आज मशाल रैली निकाली जा रही है। कल तखतपुर, मुंगेली और बेमेतरा में सभाएं होंगी। वहीं इससे पहले, बिलासपुर में 9 सितंबर को कांग्रेस ने वोट चोर-गद्दी छोड़ सभा की थी। पायलट की मौजूदगी में गुटबाजी नजर आई थी। पूर्व मंत्री डहरिया ने कहा था कि,कार्यकर्ता चमचे नहीं है। कांग्रेस कार्यकर्ता त्रिनाथ चौहान ने बताया कि वोट चोरी के बारे में जानकारी दी गई है। गांव में जाकर बताएंगे कि हमारे वोटों की चोरी हो रही है। मुख्यमंत्री की सभा से भी ज्यादा भीड़ थी। वोट चोरी के बारे में हर किसी को बताएंगे,कैसे नेताओं ने मिलकर वोट चोरी की। सचिन पायलट ने हर किसी तक पहुंचाने को कहा है।

छत्तीसगढ़ में चंद लोगों को फायदा पहुंचाने पेड़ों की कटाई

पायलट ने कहा कि छत्तीसगढ़ में धड़ल्ले से पेड़ों की कटाई हो रही है। चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए सरकार पेड़ों को कटवा रही है। जंगल की चोरी की जा रही है। देश की संपत्ति की चोरी हो रही है। अब तो वोटों की भी चोरी होने लगी है। ये देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।

चुनाव आयोग के कामों में निष्पक्षता और पारदर्शिता नहीं

चुनाव आयोग को लेकर पायलट ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में जो निष्पक्षता और पारदर्शिता दिखाई जानी चाहिए थी, वह नहीं दिख रही है। यह अभियान सिर्फ़ कांग्रेस का नहीं, बल्कि पूरे देश की जनता का है।

उमेश पटेल में नन्द कुमार की दिख रही छवि : सचिन पायलट

कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ सभा में मंच से सचिन पायलट ने कहा कि उमेश पटेल में स्वर्गीय नन्द कुमार पटेल की छवि दिखने लगी है। रायगढ़ में जल, जंगल और जमीन की लूट हो रही है। खुलेआम सरकार जल, जंगल और जमीन को बेचने का काम कर रही है। सचिन पायलट की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में उमेश पटेल गाड़ी की बोनट पर बैठे हैं। बड़ी संख्या में कांग्रेसी पैदल चल रहे हैं। वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगा रहे हैं।

जल,जंगल और जमीन बेचने का काम कर रही सरकार : दीपक बैज

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि भाजपा की सरकार जल,जंगल और जमीन बेचने का काम कर रही है। तमनार में पेड़ काट रहे हैं। बिजली बिल पहले 800 आता था, अब 1800 हो गया है। जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

सरकारी वोट चोरी कर रही वोट चोरी बर्दाश्त नहीं है : पायलट

सभा में सचिन पायलट ने कहा कि पूरा विपक्ष और देश के लोग समझ चुके हैं। छत्तीसगढ़ में जिस दिन कांग्रेस पार्टी को बहुमत नहीं आया। भाजपा सरकार ने शपथ नहीं ली,उससे पहले चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए पेड़ काटने शुरू कर दिए। जंगल की चोरी की, देश की संपत्ति की चोरी की, लेकिन वोट चोरी बर्दाश्त नहीं है। इसलिए कांग्रेस ने ये अभियान चलाया है।

जिप्सी गोवा शराब पीने के बाद 2 युवकों की मौत,आक्रोशित परिजनों ने किया चक्काजाम,बोले-गिरफ्तारी हो नहीं तो..

सक्ती, 16 सितम्बर 2025। जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र के करही गांव में सोमवार को अवैध शराब पीने से दो युवकों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। परिजनों ने मंगलवार सुबह चक्काजाम कर प्रशासन से दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की दोपहर करही गांव निवासी मनोज कश्यप (34) और सूरज यादव (30) ने गांव के ही कथित अवैध शराब दुकान संचालक से ÷जिप्सी गोवा÷ नाम की शराब खरीदी थी। शराब पीने के कुछ ही समय बाद दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी और वे बेहोश होकर गिर पड़े। परिजन आनन-फानन में उन्हें सारंगढ़ के निजी अस्पताल ले गए, लेकिन इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

गांव में तनाव का माहौल : घटना की खबर फैलते ही करही गांव में शोक और गुस्से का माहौल बन गया। परिजनों और ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह सड़क पर उतरकर चक्काजाम किया और अवैध शराब तस्करों की गिरफ्तारी तथा गांव में अवैध शराब बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की। सारंगढ़ पुलिस ने दोनों युवकों के शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने जीरो में मर्ग कायम कर केस डायरी बिर्रा थाना पुलिस को ट्रांसफर कर दी है। घटना के बाद बिर्रा पुलिस और एसडीओपी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी। फिलहाल मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि यह भी स्पष्ट किया जा रहा है कि मृतकों ने शराब कहां से खरीदी थी और उसका सैंपल जांच के लिए भेजा जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर अवैध शराब बिक्री और उसकी गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव और आसपास के इलाकों में लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार चल रहा है, जिसके खिलाफ प्रशासन को ठोस कार्रवाई करनी चाहिए।

सड़क नहीं बनी तो ग्रामीणों ने खुद ही काट डाले पेड़,36 लोग गिरफ्तार..

महासमुंद/बलौदा बाजार, 16 सितम्बर 2025। कहते हैं, जब सरकार नहीं सुनती तो जनता खुद ही रास्ता बना लेती है। जिले के वन विकास निगम सिरपुर रेंज में कुछ ऐसा ही देखने को मिला, लेकिन इस 'रास्ता बनाने' की कीमत अब 36 ग्रामीणों को जेल में चुकानी पड़ रही है। वन विभाग ने बिना अनुमति मिश्रित और सागौन के पेड़ काटने के आरोप में इन सभी को गिरफ्तार कर लिया और न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिया। यह पूरा मामला विकास की रफ्तार और सरकारी लेटलतीफी के बीच आम आदमी की परेशानी को उजागर करता है। बलौदाबाजार जिले के कसडोल विकासखंड में स्थित आदिवासी बहुल गांव छतालडबरा के करीब सौ परिवारों की एक ही मांग थी,अमलोर से सिरपुर तक सड़क। ग्रामीणों ने इस मांग को कई बार उठाया,यहाँ तक कि सुशासन तिहार जैसे सरकारी कार्यक्रमों में भी अपनी बात रखी। वन विकास निगम ने भी सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए का प्रस्ताव सरकार को भेजा था।

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी पर हाईकोर्ट ने दिखाई सख्ती,कहा...अफसरों की जवाबदेही होगी तय

बिलासपुर, 16 सितम्बर 2025। जल जीवन मिशन में अनियमितताओं को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने जनहित याचिका दायर की है। इस मामले को लेकर कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसमें केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता रमाकांत मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि मिशन के लिए केंद्र की 50 प्रतिशत राशि अभी जारी नहीं हुई है। इस पर हाई कोर्ट ने चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई तय की है।

'जवाबदेही से बचने का प्रयास स्वीकार्य नहीं' : चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बी.डी. गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और कोई भी जवाबदेही से बचने का प्रयास स्वीकार नहीं होगा।

आयुष्मान कार्ड योजना-देश में सबसे अधिक फ्रॉड क्लेम छत्तीसगढ़ में

स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने कहा...गलत क्लेम से भुगतान में होती है देरी

रायपुर, 16 सितम्बर 2025। आयुष्मान कार्ड योजना के अंतर्गत देशभर में सबसे अधिक फ्रॉड क्लेम छत्तीसगढ़ में पाए गए। यदि गलत क्लेम किया जाए तो भुगतान में देरी होती है। इससे ईमानदारी से काम करने वाले संस्थान भी प्रभावित होते हैं। यह कहना है प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया का। राजधानी के न्यू सर्किट हाउस में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की कार्यशाला में सचिव ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण भारत सरकार ने इस वर्ष 20025 की शुरुआत में नई दिल्ली में जानकारी दी थी कि छत्तीसगढ़ में देश में सबसे अधिक फ्रॉड क्लेम पाए गए हैं। ऐसे अस्पतालों की संख्या के मामले में छत्तीसगढ़ चौथे स्थान पर है। कार्यशाला में अस्पतालों को जानकारी दी गई कि ट्रिगर क्लेम को कैसे कम किया जा सकता है। कार्यशाला में कटारिया ने कहा कि गलत क्लेम करने से एक दुविधा की शुरुआत हो जाती है। इससे योजना की छवि धूमिल होती है और जनता व अस्पताल का विश्वास डगमगाता है। इससे वास्तविक मरीज जिसे उपचार मिलना चाहिए, अक्सर वंचित रह जाता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)